पटना ●बुधवार, 11 दिसंबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः326 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

21वीं सदी के कौशल पर कार्यशाला... 3 www. bordernewsmirror.com बड़े पर्दे के बाद अब... 7

बिहार को केन्द्र का तोहफा, 10 शहरों में बनेंगे एयरपोर्ट

मुजफ्फरपुर-मधुबनी का भी पूरा होगा सपना, सुपौल, भागलपुर का भी नाम

पटना (एजेंसी)। बिहार में हवाई सेवाओं का विस्तार होने वाला है। केंद्र सरकार की उड़ान 5.2 योजना के तहत राज्य के 10 शहरों को हवाई मार्ग से जोड़ा जाएगा। इन शहरों में छोटे विमान उड़ान भरेंगे। इस खबर की घोषणा 10 दिसंबर 2024 को राज्यसभा में की गई। केंद्र सरकार को इन शहरों से हवाई सेवा शुरू करने के लिए बोलियां मिली हैं। इस योजना से आम लोगों को हवाई यात्रा आसान होगी। बिहार सरकार से हवाई अड्डों के विकास के लिए जमीन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी उड़ान 5.2 योजना बिहार के 10 शहरों के लिए नई उड़ान लेकर आएगी। इन शहरों में सुपौल का वीरपुर, भागलपुर का सुल्तानगंज, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, चंपारण का वाल्मीकि नगर और रक्सौल, नालंदा का राजगीर, मधुबनी और सारण का छपरा शामिल हैं। यहां से छोटे विमानों का संचालन शुरू होगा, जिससे लोगों को यात्रा

करने में आसानी होगी। ये जानकारी 10 दिसंबर 2024 को राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री की ओर से दी गई। केंद्र सरकार को इन शहरों से हवाई यात्रा शुरू करने के लिए कई बोलियां मिली हैं। अब सरकार इन शहरों से हवाई सेवा शुरू करने की संभावनाएं तलाश रही है। हवाई अड्डों के विकास के लिए केंद्र सरकार ने बिहार सरकार से जमीन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। बिहार सरकार की सहमति और पुष्टि मिलने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू होगी। इससे राज्य के विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। इन हवाई अड्डों से 20 सीटों से कम वाले छोटे विमान उड़ान भरेंगे। भाजपा सांसद डॉ. भीम सिंह ने राज्यसभा में ये सवाल पूछा था। मंत्री ने बताया कि बिहार के 10 शहरों में उड़ान 5.2 योजना के तहत हवाई अड्डे बनाने का प्रस्ताव है।

ऑटोवालों का बीमा बच्चों की कोचिंग फीस भरेगी सरकार

दिल्ली चुनाव से पहले ऐक्टिव हुए केजरीवाल, किए 5 बड़े ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा मास्टर स्ट्रोक खेला है। केजरीवाल ने मंगलवार को ऑटोवालों के लिए पहली बड़ी गारंटी का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में ऑटो ड्राइवरों का बीमा कराया जाएगा। दिल्ली सरकार ऑटोवालों के बच्चों की कोचिंग का खर्चा भी उठाएगी। ऑटो चालक की बेटी की शादी में 1 लाख की आर्थिक मदद भी प्रदान की जाएगी।

इतना ही नहीं वर्दी के लिए साल में 2 बार ऑटो वालों के खातों में पैसे ट्रांसफर किए जाएंगे। आम आदमी पार्टी ने अरविंद केजरीवाल की ओर से ऑटो वालों के लिए किए गए ऐलान की जानकारी एक्स पर साझा की। एएपी ने इसे केजरीवाल की पहली गारंटी करार दिया। आप ने कहा, दिल्ली में फिर एक बार आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर ऑटो वाले भाइयों के लिए अरविंद केजरीवाल जी की 5 बड़ी गारंटियां... ऑटोवालों का होगा बीमा। वर्दी और बेटी की शादी के लिए दी जाएगी आर्थिक मदद।

हरियाणा की चुनावी हार पर कांग्रेस में अब भी टकराव

- भूपिंदर हुड्डा की चली ही नहीं, प्रभारी पर हमला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव का परिणाम आए करीब दो महीने बीतने वाले हैं, लेकिन अब तक कांग्रेस में कलह का दौर जारी है। हरियाणा के पूर्व सीएम भूपिंदर सिंह हुड्डा ने हार को लेकर प्रभारी दीपक बाबरिया पर निशाना साधा था तो वहीं अब बाबरिया ने भी जवाब दिया है। दीपक बाबरिया का कहना है कि विधानसभा चुनाव में करीब 10 से 15 टिकट गलत बंट गए थे और उनके चलते ही पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा वरना नतीजा कुछ और होता। वहीं

इस पर प्रदेश अध्यक्ष और हुड्डा के करीबी कहे जाने वाले उदयभान ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में उम्मीदवारों का सेलेक्शन केंद्रीय चुनाव समिति ने किया था। उदयभान ने कहा कि उम्मीदवारों के चयन पर आखिरी मुहर तो केंद्रीय चुनाव समिति ने ही लगाई थी। पार्टी की हार का विश्लेषण करने के लिए बनी एक समिति की मीटिंग में उदयभान ने यह बात कही। इस कमेटी का नेतृत्व छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल, राजस्थान के पूर्व मंत्री हरीश चौधरी और एस. सेंथिल कर रहे हैं।

यूपी में 185 साल पुरानी मस्जिद पर चला बुलडोजर

- हाईवे के रास्ते में थी, 25000 लोग किए गए नजरबंद ● 500 मीटर एरिया पूरी तरह सील, ड्रोन से की निगरानी

फतेहपुर (एजेंसी)। यूपी के फतेहपुर में 185 साल पुरानी नूरी मस्जिद का अतिक्रमण ढहाया गया। हाईवे के चौड़ीकरण को लेकर 5 बुलडोजर ने करीब 7 घंटे अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। इस दौरान नूरी मस्जिद का कुछ हिस्सा भी तोड़ा गया। सुबह 8 बजे शुरू हुई कार्रवाई दोपहर करीब 3 बजे तक चली। इसके बाद

अतिक्रमण के मलबे को हटवाया गया। बांदा-कानपुर मार्ग को करीब 6 घंटे के बाद फिर से चालू किया गया। मौके पर एसटीएफ समेत कई थानों की फोर्स तैनात रही। एटीएस की टीम भी पहुंच गई है। इस दौरान ललौली कस्बे के 25000 लोगों को हाउस अरेस्ट किया गया। 500 मीटर एरिया को सील कर दिया गया। किसी को आने-जाने की इजाजत नहीं दी गई। ड्रोन कैमरे से इलाके की निगरानी की गई। हालांकि अब प्रशासन की कार्रवाई खत्म हो गई है।

धनखड़ के खिलाफ एकजुट हुआ 'इंडिया' का गठबंधन

- अविश्वास प्रस्ताव का थमाया नोटिस, सरकार भी हुई ऐक्टिव ● 60 सांसदों ने किए दस्तखत किए, पक्षपात का लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र का मंगलवार को 11वां दिन है। इंडिया ब्लॉक ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने की तैयारी कर ली। विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा के जनरल सेक्रेटरी पीसी मोदी को धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया। इस नोटिस में कांग्रेस, टीएमसी,एएपी, सपा, डीएमके, सीपीआई, सीपीआई-एम और आरजेडी समेत कई पार्टियों के 60 सांसदों के दस्तखत हैं। विपक्ष का धनखड़ पर पक्षपातपूर्ण तरीके से सदन चलाने का आरोप है। वहीं, मंगलवार को 11 बजे दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू हुई। लोकसभा में हंगामे के चलते पहले 12 बजे तक सदन स्थगित कर किया गया। 12 बजे कार्यवाही शुरू होने के बाद भी अडाणी-जॉर्ज सोरोस के मुद्दे पर हंगामा जारी रहा, स्पीकर ने बुधवार तक के लिए सदन स्थगित कर दिया। हंगामे के चलते राज्यसभा की कार्यवाही भी बुधवार तक स्थगित कर दी गई। जयराम रमेश ने लिखा, 'विपक्षी इंडिया अलायंस से जुड़े सभी दलों के पास राज्यसभा के चेयरमैन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। वह राज्यसभा की कार्यवाही का संचालन पक्षपात के साथ कर रहे थे। इंडिया अलायंस के दलों के लिए यह एक कठिन फैसला है, लेकिन संसदीय लोकतंत्र के हित में है। इसलिए हमें ऐसा कदम उठाना पड़ा है। अविश्वास प्रस्ताव को हमने राज्यसभा के जनरल सेक्रेटरी को सौंप दिया है।' हालांकि सूत्रों का कहना है कि इस प्रस्ताव में विपक्षी दलों के किसी भी नेता सदन के हस्ताक्षर नहीं हैं। यहां तक कि सोनिया गांधी के साइन भी इस प्रस्ताव में नहीं हैं।

यूपी में अब एक और बड़ा हादसा, 7 लोगों की मौत

मैजिक को टक्कर मार पलटा डंपर, कई बच्चे भी घायल

हाथरस (एजेंसी)। यूपी में एक और बड़ा हादसा हुआ है। हाथरस में डंपर ने टाटा मैजिक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें कई बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। आठ लोग घायल हैं। मैजिक को टक्कर मारने के बाद ट्रक भी पलट गया। घायलों में कई की हालत गंभीर है। आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं। सीएम योगी ने खुद घटना का संज्ञान लिया है। मृतकों के प्रति संवेदना जताने के साथ ही अधिकारियों को राहत कार्य में लगने का निर्देश दिया है। घायलों को समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करने का भी आदेश दिया है। ताकि मृतकों की संख्या न बढ़े। घटना कोतवाली हाथरस जंक्शन क्षेत्र के सलेमपुर के निकट हुआ है। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों एम्बुलेंस उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया है। मृतकों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए गए हैं।

यह हादसा मथुरा-कासगंज हाइवे पर हुआ। कोतवाली हाथरस जंक्शन क्षेत्र गांव जैतपुर के पास की घटना है। घटना के बाद सड़क पर जाम लग गया। पूरा मामला कोतवाली हाथरस जंक्शन क्षेत्र के मथुरा कासगंज मार्ग का है।

किसका घर जला, किसने कब्जा किया सब बताना होगा

सुप्रीम कोर्ट ने मांगी मणिपुर हिंसा की रिपोर्ट, दिखाई सख्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मणिपुर सरकार को निर्देश दिया कि वह राज्य में जातीय हिंसा के दौरान पूरी तरह या आंशिक रूप से जलाए गए आवासों और संपत्तियों और इन पर अतिक्रमण की जानकारी सीलबंद लिफाफे में रख कर सौंपे। न्यायालय ने राज्य सरकार से पूछा कि संपत्तियों पर अतिक्रमण और आगजनी करने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने राज्य से विस्थापित लोगों की शिकायतों का समाधान तथा उनकी संपत्तियों को वापस करने के लिए कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया। पीठ ने मणिपुर सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से विशिष्ट विवरण प्रदान करने के लिए कहा, जैसे कि जलाए गए या आंशिक रूप से जलाए गए भवन, लूटे गए भवन, अतिक्रमण या कब्जाए गए भवन। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि रिपोर्ट में इन संपत्तियों के मालिकों और वर्तमान में उन पर कब्जा करने वालों के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए, साथ ही अतिक्रमणकारियों के खिलाफ की गई कानूनी कार्रवाई का ब्योरा भी दिया जाना चाहिए। पीठ ने कहा,आपको यह निर्णय लेना होगा कि आप इससे कैसे निपटना चाहते हैं, आपराधिक कार्रवाई के रूप में या उनसे (संपत्तियों पर अतिक्रमण करने वालों से) कब्जे के उपयोग के लिए 'अंतरिम लाभ' का भुगतान करने के लिए कहना होगा। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार से अस्थायी और स्थायी आवास के लिए धन जारी करने के मुद्दे पर भी जवाब देने को कहा, जिसे जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गीता मित्तल की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की समिति ने उठाया था। प्रधान न्यायाधीश ने राज्य सरकार से कहा कि वह अतिक्रमणकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई और अनधिकृत कब्जे के लिए मुआवजे की वसूली पर निर्णय लेने में तेजी लाए। सॉलिसिटर जनरल ने पीठ को आश्वासन दिया कि सरकार कानून-व्यवस्था और हथियारों की बरामदगी को प्राथमिकता दे रही है। हालांकि विधि अधिकारी ने संपत्तियों के बारे में डेटा होने की बात स्वीकार की, लेकिन उन्होंने मीडिया कवरेज पर चिंताओं का हवाला देते हुए इसे खुले तौर पर प्रकट करने में अनिच्छा व्यक्त की। मेहता ने कहा,हमारे पास डेटा है, लेकिन हम इसे खुली अदालत में साझा नहीं करना चाहते। मीडिया अक्सर संवेदनशील मुद्दों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करता है।

'इंडिया' में रार, अब ममता के साथ आए लालू यादव

- राजद चीफ बोले-इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व करें ममता
- लालू ने कहा-कांग्रेस के विरोध का कोई मतलब नहीं

पटना (एजेंसी)। इंडी गठबंधन में नेतृत्व को लेकर विवाद छिड़ा है। अब आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने ममता बनर्जी का साथ दिया है। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा- पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेता चुना जाना चाहिए। कांग्रेस के विरोध का कोई मतलब नहीं है। ममता को ही नेता बनाया जाना चाहिए। इससे पहले लालू के बेटे और बिहार के नेता प्रतिपक्ष भी ममता बनर्जी के नेतृत्व पर सहमति जता चुके हैं। इधर, बिहार के कांग्रेस प्रभारी शाहनवाज आलम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एक अखिल भारतीय पार्टी है। जो लोग इस तरह का दावा कर रहे हैं कि बिहार, यूपी, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का वजूद नहीं है, वह पूरी तरह से बेतुका है। अगर आप सिर्फ एक राज्य में मजबूत हैं तो उसके आधार पर आप दूसरे दल पर सवाल खड़ा नहीं सकते। हर किसी की महत्वाकांक्षा होती है, लेकिन उसे कंट्रोल में रखना चाहिए। वहीं, दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और शरद पवार के बीच आज बैठक होनी है। इस दौरान भी इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को लेकर चर्चा हो सकती है। लालू यादव की ओर से भी राहुल गांधी की जगह ममता बनर्जी को इंडिया अलायंस का नेता बनाने की मांग महत्वपूर्ण है।

दौसा सांसद ने रेल समस्याओं को लेकर रेल मंत्री से की अपील

नई दिल्ली। दौसा(राजस्थान)। मुरारीलाल मीणा ने अपने संसदीय क्षेत्र से जुड़ी कई महत्वपूर्ण रेल समस्याओं के आवश्यकताओं को लेकर को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी बेसन से मुलाकात कर विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए पूरी समाधान की मांग की श्री मीणा ने बताया कि अजमेर शताब्दी और वंदे भारत एक्सप्रेस का दौसा में ठहराव बांदीकुई जंक्शन पर डबल डेकर ट्रेन का ठहराव बस्सी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 19609 उदयपुर सिटी ऋषिकेश तथा ट्रेन संख्या 19031 योगा एक्सप्रेस का 18 इन सभी ट्रेनों का जनहित में 18 नियतनता आवश्यक है जिसे यात्रियों की सुविधा के साथ-साथ रेलवे राजस्व की भी वृद्धि होगी बांदीकुई रेलवे फाटक संख्या 104 का स्थाई समाधान बाजार और दुकानदारों को बिना क्षति पहुंचा किया जाए।

'बहुसंख्यकों की मर्जी से चलेगा देश' बोलकर फंस गए मीलार्ड

जज शेखर यादव के खिलाफ अब सुप्रीम कोर्ट करेगा जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश का कानून बहुसंख्यकों के हिसाब से चलेगा क्योंकि घर या फिर समाज में भी बहुमत की राय को ही माना जाता है। ऐसा बोलकर आलोचना का शिकार हो रहे इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस शेखर कुमार यादव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने जांच शुरू कर दी है। उन्होंने विश्व हिंदू परिषद

की लीगल सेल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में यह बयान दिया था। इसके अलावा उन्होंने देश के एक अल्पसंख्यक वर्ग के लिए 'कठमुल्ला' शब्द का भी प्रयोग किया था। इसे लेकर तमाम वकीलों समेत लीगल प्रोफेशन की हस्तियों ने ही आपत्ति जताई है कि आखिर एक जज कैसे इस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर सकता है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने अखबारों में छपी रिपोर्ट्स का संज्ञान लिया है। इसके आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय से शेखर कुमार यादव के बयान से जुड़ी चीजें भेजने को कहा है। उनके बारे में अन्य डिटेल्स भी मांगी गई है। फिलहाल इस मामले में जांच जारी है। इस मामले में कैंपेन फॉर जुडिशियल अकाउंटेबिलिटी ऐंड रिफॉर्म्स नाम की संस्थान ने जस्टिस शेखर कुमार यादव के खिलाफ चीफ जस्टिस संजीव खन्ना को पत्र भी लिखा है। इसमें कहा गया है कि जस्टिस यादव ने जिस तरह का बयान दिया है, वह अक्षम्य और अवांछनीय है। लेटर में लिखा गया,ऐसे बयान से आम नागरिकों के मन में न्यायपालिका की स्वायत्ता और निष्पक्षता को लेकर संदेह पैदा होता है। ऐसे में इस मामले में आपकी ओर से ऐक्शन की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

मुंगेर में 3 लोगों से 6.17 लाख की ठगी

मुंगेर, एजेंसी। मुंगेर में हाल ही में साइबर ठगी के दो मामले सामने आए हैं, पहला मामला मुंगेर के कासिम बाजार थाना क्षेत्र के पुरानीगंज में एक शिक्षिका और उसकी बहन साइबर ठगों का शिकार हुईं। जिनमें दो बहनों और एक इंटर के छात्र से कुल 6.17 लाख रुपए की ठगी हुई है।

पीड़िता स्मिता ने बताया कि ठगों ने बिजली बिल अपडेट करने के नाम पर उनकी बहन प्रीती कुमारी के मोबाइल पर कॉल किया और व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजकर एक ऐप डाउनलोड करवाया। इसके बाद मोबाइल हैक कर 33 हजार रुपए निकाल लिए। स्मिता ने जब बहन का मोबाइल काम न करने पर अपना फोन दिया, तो ठगों ने उसके मोबाइल से भी 84 हजार रुपए उड़ा लिए। कुल मिलाकर दोनों बहनों से 1.57 लाख रुपए की ठगी हुई। घटना के बाद पीड़ितों ने साइबर थाना में शिकायत दर्ज करवाई है, लेकिन अभी तक पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर पाई है।

दूसरा मामला पूरबसराय थाना क्षेत्र का है। जहां 12वीं कक्षा के एक छात्र को साइबर ठगों ने झांसा देकर 4.60 लाख रुपए की ठगी की। छात्र एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ा था, जहां पैसे दोगुने करने का दावा किया जा रहा था। ठगों ने ग्रुप में अन्य नकली सदस्यों के माध्यम से विश्वास जीतकर छात्र से छोटे-छोटे किस्तों में कुल 4.60 लाख रुपए ठग लिए। जब छात्र को शक हुआ और उसने ग्रुप छोड़ा, तब उसने अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी और पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

दोनों मामलों में साइबर थाना पुलिस जांच कर रही है। हालांकि, पीड़ितों का कहना है कि अभी तक उन्हें उनके पैसे वापस मिलने की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है। डिजिटल लेन-देन में सतर्कता बेहद जरूरी है। ऑनलाइन कॉल, लिंक और ऐप के प्रति लापरवाही भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा सकती है।

नौकरी का झांसा देकर ठगी करने में सरगना समेत 3 पर केस दर्ज

पटना, एजेंसी। सोशल मीडिया पर नौकरी देने और बिजनेस करने का झांसा देकर ठगी करने के मामले में फतुहा थाने में सरगना समेत तीन पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने जांच के बाद दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरोह के सरगना गंगेशवर सिंह तथा नेपाल आर्मी के रिटायर्ड कर्मी प्रकाश बरसीला व सुखलाल विश्वकर्मा इसमें नामजद आरोपी हैं। प्रकाश बरसीला व सुखलाल विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनके पास से भारत के साथ ही नेपाल की नागरिकता के कई दस्तावेज मिले थे। पुलिस सरगना गंगेशवर सिंह को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी करने में जुटी है। सूत्रों के अनुसार इस गिरोह का नेटवर्क बिहार में कई जगहों पर फैला है। मुजफ्फरपुर के खाबड़ गोबर शाही जगह में भी ऐसा गोरखधंधा चल रहा था। पुलिस को दोनों गिरफ्तार आरोपी ने बताया कि तीन-चार माह से गिरोह काम कर रहा है। सुरक्षा में सेंध का शक होने पर लखनऊ मिलिट्री इंटेलिजेंस और फतुहा पुलिस ने रविवार को फतुहा के सोनारू गांव के पास एक घर में छापेमारी कर गिरोह का खुलासा किया था। इंटेलिजेंस ने छापेमारी में भारतीय मुद्रा के साथ-साथ भारी मात्रा में नेपाली करेंसी भी बरामद की। जांच में यह सामने आया है कि सोशल मीडिया के जरिए नेपाल के युवाओं को अच्छी नौकरी तथा प्रशिक्षण देने का झांसा देकर इन जगहों पर बुलाया गया तथा उनके मोबाइल, पैसे व पहचान पत्र जब्त कर बंधक बनाकर पैसे की उगाही करते थे। प्रकाश के पास से भारत का वोटर कार्ड, पैन कार्ड मिला है, जबकि सुखलाल के पास से भारत का आधार कार्ड भी मिला है।

फुलवारी शरीफ में हाइवा ने बच्चे को कुचला, मौत

पटना, एजेंसी। फुलवारी शरीफ में तेज रफ्तार हाइवा ने 10 साल के बच्चे को कुचल दिया। घटनास्थल पर ही बच्चे की मौत हो गई। घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। पटना-खगौल मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। हादसे के बाद चालक और उप चालक गाड़ी छोड़कर भाग गए। मृतक की पहचान ग्वालटोली के मोहित कुमार(10) के तौर पर हुई है। मामले की सूचना पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आक्रोशित लोगों को समझाने में जुट गई है। लोग मानने को तैयार नहीं है, उचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। सड़क जाम से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह के समय मोहित स्कूल जा रहा था। रोड क्रॉस करते समय तेज रफ्तार हाइवा की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौत हो गई। इस मार्ग पर बड़ी वाहनों की रफ्तार काफी तेज होती है

करोड़ों रुपये से चकाचक होंगी इस जिले की 6 सड़कें, नीतीश सरकार का बड़ा ऐलान

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। जिले की छह महत्वपूर्ण सड़कों के नवीकरण कार्य को प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। यह नवीकरण परियोजना पथ संरचना को बेहतर बनाने और आम जनता को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक आवागमन प्रदान करने के उद्देश्य से की जा रही है। इन परियोजनाओं के तहत विभिन्न महत्वपूर्ण सड़कों को उन्नत किया जाएगा, जो स्थानीय क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

उपमुख्यमंत्री एवं पथ निर्माण मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि मुजफ्फरपुर जिले में ओपीआरएमसी फेज-दो अंतर्गत पथ संधारण की योजना लागू नहीं होने के फलस्वरूप विभाग की ओर से वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। मुजफ्फरपुर जिले में छह महत्वपूर्ण पथों के नवीकरण कार्य को प्रशासनिक स्वीकृति इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि सड़कों के नवीकरण से मुजफ्फरपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा। वहीं, सड़क सुरक्षा में भी सुधार होगा।

एनएच-28 को एनएच-102 से जोड़ने वाली कांटी से मड़वन सड़क। इसकी कुल लंबाई

12.55 किमी है। इसमें 6.95 किमी पथ का नवीकरण किया जाएगा। इसके लिए रुपये 523.85 लाख की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गई है। इस पथ के अनुरक्षण कार्य के उपरांत कांटी, मड़वन और आसपास के क्षेत्रों में आवागमन की स्थिति बेहतर होगी। अंचल कार्यालय और कांटी रेलवे स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों को सुरक्षित रास्ता मिलेगा।

कांटी से रघईघाट पथ। इसकी कुल लंबाई 9.70 किमी है। 6.3 किमी पथ का नवीकरण किया जाएगा। इसके लिए 584.62 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गई है। यह पथ मुजफ्फरपुर को शिवहर और सीतामढ़ी जिलों से जोड़ता है। इसके नवीकरण से मुजफ्फरपुर शहर को विभिन्न गांवों और प्रखंड मुख्यालयों से जोड़ने में आसानी होगी।

तुर्की चौक (एनएच-77) से पक्की सराय चौक, मधौल, केरमा, सुस्ता और कच्ची-पक्की चौक पथ। इसकी कुल लंबाई 19.25 किमी है। इनमें से 11.10 किमी का नवीकरण कार्य होगा। इसके लिए 739.57 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गई है। इस परियोजना के तहत जल निकासी के लिए 1650 मीटर लंबाई में आरसीसी ड्रेनेज सिस्टम भी स्थापित किया जाएगा।

सरैया-मोतीपुर पथ। यह सरैया (एनएच-102) से मोतीपुर (एनएच-28) को जोड़ता है। इसकी कुल लंबाई 28.20 किमी है।

इसी प्रकार मुजफ्फरपुर-पुसा पथ, जिसकी कुल लंबाई 23 किमी है। इसके नवीकरण के लिए 1336.79 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति की गई है। यह पथ मुजफ्फरपुर जिले के विभिन्न प्रखंडों और पूसा कृषि महाविद्यालय को जोड़ता है।

मोतीपुर-साहेबगंज पथ। इसकी कुल लंबाई 23.20 किमी है। इसमें से 16.35 किमी पथ का भी नवीकरण किया जाएगा। इसके लिए 1269.03 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गई है। यह पथ मोतीपुर (एनएच-28) को साहेबगंज को जोड़ता है। इस क्षेत्र में पहले से दो एथनाल प्लांट स्थापित हैं।

नालंदा में हथियार के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

नालंदा, एजेंसी। नालंदा के खुदागंज थाना पुलिस ने स्थानीय क्षेत्र में आतंक फैला रहे एक संदिग्ध अपराधी को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से एक 315 बोर का लोडेड देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस समेत एक क्षतिग्रस्त मोबाइल बरामद किया है। पकड़े गए अपराधी की पहचान अजीत कुमार के रूप में हुई है। डीएसपी हिलसा-2 गोपाल कृष्ण ने बताया कि शाम में खुदागंज थाने को सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति इस्लामपुर रोड पर घूम रहा है। सफेद कमीज पहने और काली अपाची मोटरसाइकिल पर सवार यह व्यक्ति स्थानीय लोगों में डर का माहौल बना रहा था। पुलिस ने तत्काल एक समन्वित कार्रवाई योजना बनाई। गश्ती दल और डायल-112 के साथ समन्वय स्थापित करते हुए पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति का पीछा किया। जल्द ही पता चला कि यह व्यक्ति कृष्णबल्लभ कुमार के घर के पास पहुंच कर जान से मारने की धमकी दे रहा था। गिरफ्तारी के बाद ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट में इस बात की पुष्टि हुई की अभियुक्त शराब के नशे में था। खुदागंज थाना प्रभारी जयप्रकाश नारायण ने बताया कि अजीत कुमार का पहले से ही अपराधिक इतिहास रहा है।

लोस चुनाव के स्ट्राइक रेट पर महागठबंधन में विधानसभा की सीटें बंटेंगी : शाहनवाज

महागठबंधन में न कांग्रेस छोटा, न राजद बड़ा भाई

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव की आहट होते ही गठबंधन और सीटों को लेकर बात आगे बढ़ने लगी है। कांग्रेस के बिहार प्रभारी सचिव शाहनवाज आलम ने कहा कि अब बराबरी के आधार पर ट्रीटमेंट होगा। लोकसभा चुनाव का स्ट्राइक रेट देख विधानसभा में महागठबंधन के बीच सीट का बंटवारा होगा। सीट शेयरिंग में यही फार्मूला लागू होगा। अभी हाल में ही लोकसभा चुनाव हुए हैं। उसमें जिस पार्टी का जो स्ट्राइक रेट रहा है, उसी आधार पर विधानसभा चुनाव में सीटों का बंटवारा होगा। राजद के नेता

सीएम बनेंगे तो 2 डिप्टी सीएम बनेंगे। एक मुसलमान तो दूसरे सामान्य वर्ग के होंगे।

शाहनवाज ने यह भी कहा कि बिहार के महागठबंधन में न कोई छोटा भाई है, न कोई बड़ा भाई है। न कोई पतला भाई है और न कोई मोटा भाई है। महागठबंधन विचारधारा के नाम पर बना है। विचारधारा है, देश को फासिस्ट तत्वों से मुक्ति दिलाना, तो जब विचारधारा के नाम पर गठबंधन बना है तो इसमें बड़ा या छोटा की बात कहां से आ गई। कांग्रेस के कार्यकर्ता और नेता ये नहीं समझें कि कोई (राजद) हमसे बड़ा है और हम छोटे हैं। मैं बिहार में जहां भी जा रहा हूं, वहां पार्टी के वर्कर कह रहे हैं कि हम गठबंधन में छोटे भाई हैं। इसे मन से हटा दें। महागठबंधन में कोई भी फैसला होगा वह कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से राय लेकर ही किया जाएगा।

जिन ईंट-भट्ठों के पास सीटीई-सीटीओ नहीं वे होंगे बंद, नीतीश सरकार का बड़ा फैसला

पटना, एजेंसी। बिहार की सीमा में संचालित ईंट-भट्ठों की अनियमितता को देखते हुए सरकार सख्त हो गई है। समीक्षा बैठक में सरकार के संज्ञान में यह बात लाई गई है कि सैकड़ों ईंट-भट्ठे ऐसे हैं जो समय पर टैक्स नहीं देते। अनेक ऐसे भी हैं, जिनके पास इन्हें स्थापित करने और संचालित करने की अनुमति भी नहीं।

बावजूद प्रदेश की सीमा में चल रहे हैं। जिसे देखते हुए सरकार ने भट्ठों को चिह्नित करते हुए उन्हें बंद करने के निर्देश दिए हैं।

खान एवं भू-तत्व विभाग के निदेशक की अध्यक्षता में पिछले दिनों विभाग की समीक्षा बैठक में ईंट भट्ठों की समीक्षा के क्रम में नीलाम वाद से लेकर, भट्ठों पर बकाया राशि, प्रदूषण नियंत्रण पर्षद से जारी होने

वाले सीटीई (कंसेंट टू स्टैब्लिस्ट) और सीटीओ (कंसेंट टू आपरेट) समेत अन्य बिंदुओं पर चर्चा हुई।

जिसके बाद खनिज विकास पदाधिकारियों को नियमित ईंट-भट्ठों के निरीक्षण के साथ ही बकाया राशि का आकलन और वसूली, राजस्व संग्रह का लक्ष्य निर्धारित करने के निर्देश दिए गए।

इसी क्रम में यह निर्देश भी दिए गए हैं कि जिन ईंट-भट्ठों के पास सीटीई (कंसेंट टू स्टैब्लिस्ट) और सीटीओ (कंसेंट टू ऑपरेट) अनुमति नहीं वैसे भट्ठों को चिह्नित करते हुए उन्हें बंद किया जाए और इसकी रिपोर्ट मासिक रूप से सरकार को मुहैया कराई जाए। बता दें कि प्रदेश में साढ़े छह हजार से अधिक

प्रधानाध्यापकों की काउंसिलिंग अब 12 की जगह 20 दिसंबर से शुरू होगी

प्रमाण पत्र का वेरिफिकेशन डेढ़ घंटे में किया जाएगा

पटना, एजेंसी। बीपीएससी की ओर से आयोजित परीक्षा में पास प्रधानाध्यापकों की काउंसिलिंग 12 दिसंबर की जगह अब 20 दिसंबर से होगी। काउंसिलिंग दो दिन 20 और 21 दिसंबर को होगी।

यह काउंसिलिंग पहले की तरह ही सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक 5 स्लॉट में चलेगी। हर स्लॉट में प्रधानाध्यापकों के प्रमाण पत्र का वेरिफिकेशन डेढ़ घंटे में किया जाएगा। काउंसिलिंग के दौरान प्रधानाध्यापक को प्रवेश पत्र, प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र, तीन फोटो सहित अन्य कागजात लाना होगा। इस दौरान बीपीएससी में जमा प्रमाण पत्रों के साथ मिलान कराया जाएगा। जिससे वास्तविक प्रमाण पत्र के बारे में जानकारी मिल सके।

जानकारी के मुताबिक 4 दिसंबर को प्रधानाध्यापकों की काउंसिलिंग 12 से 13 दिसंबर को कराने का निर्णय लिया गया था। लेकिन किसी कारण से प्रधानाध्यापकों की काउंसिलिंग 20 और 21 दिसंबर को करने का निर्णय लिया गया है। बिहार लोक सेवा आयोग ने प्रधान शिक्षक और प्रधानाध्यापक के लिए आयोजित परीक्षा का रिजल्ट 1 नवंबर 2024 को जारी किया था। इस परीक्षा में 42918 अभ्यर्थी सफल हुए थे। इसमें 36947 अभ्यर्थी प्रधान शिक्षक और 5974 अभ्यर्थी प्रधानाध्यापक पद के लिए सफल हुए थे।

प्रधान शिक्षक : 13 वाली काउंसिलिंग अब 14 को

प्रधान शिक्षकों की काउंसिलिंग पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक 9 दिसंबर से शुरू है। यह 13 दिसंबर तक चलनी थी, लेकिन इसमें एक बदलाव हुआ है।

डीडीयू और प्रयागराज के बीच तीसरी लाइन के काम के कारण 14 को ट्रेनें देर से चलेंगी

पटना, एजेंसी। पंडित दीन दयाल उपाध्याय व प्रयागराज जंक्शन के बीच थर्ड लाइन कार्य के मद्देनजर करछना स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य चल रहा है। इस कारण पटना-पूर्णा जंक्शन, दानापुर-पुणे एक्सप्रेस और पाटलिपुत्र जंक्शन से खुलने वाली ट्रेन अपने निर्धारित समय से 1 से 3 घंटे देरी से चलेंगी। साथ ही कुछ ट्रेनों के अस्थायी परिचालन में बदलाव किया गया है।

इनका समय बदला

13 दिसंबर को हावड़ा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल एक्सप्रेस हावड़ा से 4 घंटे पुनर्निर्धारित कर चलाई जाएगी।

14 दिसंबर को दानापुर-पुणे एक्सप्रेस स्पेशल दानापुर से निर्धारित समय सुबह 6 : 30 बजे के बदले 9 : 30 बजे जाएगी।

14 दिसंबर को पटना-पूर्णा जंक्शन एक्सप्रेस पटना से निर्धारित समय सुबह 7 बजे के बदले 10 बजे खुलेगी।

14 दिसंबर को पाटलिपुत्र-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस पाटलिपुत्र से निर्धारित समय 11 : 05 बजे के बदले दोपहर 12 : 05 बजे खुलेगी।

इन ट्रेनों का रूट बदला

13 दिसंबर को कोलकाता-बीकानेर साप्ताहिक, सियालदह-अजमेर एक्स., कामाख्या-आनंद विहार टर्मिनल एक्स. परिवर्तित मार्ग वाया डीडीयू जंक्शन, वाराणसी, प्रयागराज, रामबाग-प्रयागराज जंक्शन के रास्ते चलाई जाएगी।

14 दिसंबर को को आनंद विहार टर्मिनल-कामाख्या एक्स., आनंद विहार टर्मिनल-मुजफ्फरपुर एक्स. परिवर्तित मार्ग वाया प्रयागराज जंक्शन-प्रयागराज रामबाग, वाराणसी, डीडीयू जंक्शन के रास्ते चलाई जाएगी।

हर घर नल का जल : 1.16 लाख से अधिक योजनाओं का निरीक्षण

पटना, एजेंसी। 'हर घर नल का जल' पेयजल आपूर्ति निश्चय योजना के अंतर्गत बंद या असंतोषजनक योजनाओं को लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा चिह्नित कर, मरम्मत कराई जा रही है। मंत्री नीरज कुमार सिंह ने बताया कि पेयजल मोबाइल एप के जरिए अबतक 1,16,000 से अधिक योजनाओं की जांच करवाई गई है। असंतोषजनक मिली 14,000 से अधिक योजनाओं की मरम्मत कराई जा चुकी है। शेष की मरम्मत शीघ्रता से की जा रही है। सरकार हर घर को निरंतर और सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा निर्मित एवं संचालित 52,250 से अधिक योजनाओं का पेयजल मोबाइल एप के माध्यम से निरीक्षण किया जा चुका है। जिसमें कुल 2,088 योजनाओं की मरम्मत करवाई गई। अब लगभग 95त्न योजना पूर्ण रूप से कार्यरत है।

36.72 प्रतिशत से अधिक दाखिल-खारिज रिजेक्ट करने वाले अंचलाधिकारी के काम की होगी जांच

पटना, एजेंसी।

जिले के अंचल कार्यालयों में 36.72 प्रतिशत से अधिक दाखिल-खारिज आवेदन रिजेक्ट होने पर अंचलाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई होगी। इसकी जांच करने की जिम्मेवारी भूमि सुधार उपसमाहर्ता (डीसीएलआर) को दी गई है। सभी डीसीएलआर को अपने-अपने इलाके के अंचल कार्यालयों की जांच प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया गया है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के नियमानुसार अंचल कार्यालय में आने वाले आवेदनों का 35 दिनों के अंदर निष्पादन करनी है। पेचिंदा मामलों में सुनवाई कर 75 दिनों के अंदर आवेदनों का हर हाल में निष्पादन करना है। लेकिन जिले में 40 हजार से अधिक मामले लंबित है। इसमें 75 दिनों से अधिक करीब 30 हजार आवेदन पेंडिंग है।

इनको जांच की जिम्मेवारी

अपर समहर्ता राजस्व को डीसीएलआर न्यायालय की समीक्षा करनी है। डीसीएलआर को अंचलाधिकारी के लंबित आवेदनों की समीक्षा करनी है । अंचलाधिकारी को राजस्व कर्मचारी के काम-काज की समीक्षा करनी है ।

सख्त कार्रवाई का निर्देश : डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि निर्धारित समय सीमा में दाखिल खारिज के आवेदनों का निष्पादन करना है। आदेश का अनुपालन नहीं करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होगी। अपर समहर्ता राजस्व को लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई के लिए प्रस्ताव देने का निर्देश दिया गया है। आवेदनों को अस्वीकृत करने में विशेष सावधानी बरतनी है।

जिले के डीसीएलआर के न्यायालय में 6200 से अधिक मामले लंबित है। अपर समहर्ता राजस्व को भूमि सुधार उप समाहर्ता के न्यायालय कार्यों की समीक्षा लंबित मामलों का निष्पादन कराने का टास्क दिया गया है। ताकि लोगों को न्याय पाने के लिए कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़े। अधिकारियों के मुताबिक पिछले एक साल के अंदर करीब 12 हजार से मामला डीसीएलआर कार्यालय पहुंचा है। लंबित मामलों में सबसे अधिक मसौढ़ी और दानापुर डीसीएलआर कार्यालय में है। इन अंचलों में जमीन की खरीद-बिक्री अधिक हो रही है। इसके साथ ही दाखिल-खारिज के मामलों के साथ जमीन बेचने को लेकर मालिकाना हक के लिए शिकायते ज्यादा आ रही है।

पटना में युवक पर चाकू से हमला, अस्पताल में मौत

पटना, एजेंसी। पटना के मसौढ़ी थाना क्षेत्र में अपराधियों ने सोमवार देर रात एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। वारदात के बाद मौके से फरार हो गए। आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना चारमोहानी के पास की है। प्रेम-प्रसंग में हत्या की आशंका जताई जा रही है। मर्डर का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें 3 अपराधी युवको घेरकर चाकू मारते हुए दिखाई दे रहे है। मृतक की पहचान मसौढ़ी बाजार निवासी सन्नी कुमार(19) के तौर पर हुई है। सन्नी श्रृंगार की दुकान में काम करता था। दुकान से घर लौटते समय घात लगाकर अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया।

प्रेम-प्रसंग के एंगल से जांच

मसौढ़ी पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी नव वैभव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। हर एंगल से मामले की छानबीन की जा रही है। प्रेम-प्रसंग के एंगल से भी जांच की जा रही

सची हॉस्पिटल
NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)
पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल
9102779809, 9801344665
डॉ. एस. प्रसाद

21वीं सदी के कौशल पर कार्यशाला का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

महिला एवं बाल विकास निगम, समाज कल्याण विभाग, यूनिसेफ के सहयोग से बाल रक्षा भारत सेव द चिल्ड्रेन द्वारा संचालित उड़ान परियोजना के अंतर्गत सामाजिक संचार, सामाजिक और सांस्कृतिक सद्भाव, समस्या निवारण कौशल, व्यक्तिगत विकास और नई प्रौद्योगिकियों के प्रति गुणवत्ता बनाये रखने हेतु 21वीं सदी के कौशल कार्यशाला का आयोजन शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सभा भवन में मंगलवार को हुआ। इस अवसर पर जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस कविता कुमारी ने बाल विवाह और भ्रूण हत्या को रोकने के लिए उपस्थित किशोर-किशोरी समूह के बच्चों और विकास मित्रों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के कौशल में लड़कियां और महिलाएं आगे बढ़ रही हैं। जिला प्रोग्राम पदाधिकारी ने कहा कि 21वीं सदी के कौशल वे क्षमताएं और योग्यताएं हैं जो व्यक्तियों को इस सदी में सफल होने में मदद करती हैं। ये कौशल न केवल व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में सफलता प्राप्त करने में मदद करते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे समाज में बाल विवाह एक ज्वलंत मुद्दा है इसके लिए जन-जन को जागरूक करने का लक्ष्य महिला एवं बाल विकास निगम ने रखी है। उन्होने कहा कि 1000 लड़कों पर 870 लड़कियां हैं, भारत में 130 लड़कियों की कमी है। जब कि आदर्श अनुपात है 1000 पर 1010 लड़कियां होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों की सोच को बदलना है लड़की लड़का में भेदभाव खत्म करना है। इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक विरेंद्र कुमार ने कहा कि सीखने से संबंधित कौशल, जानकारी से संबंधित कौशल, जीवन कौशल रचनात्मक और नवाचार जैसे कौशलों को बच्चों को जानना चाहिए ताकि अपने जीवन के लक्ष्य को पाने में मदद मिल सके। उन्होंने लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ राष्ट्रीय अभियान नई चेतना 3.0 का सफल क्रियान्वयन हेतु विस्तार पूर्वक चर्चा किया। इस अवसर पर श्रम संसाधन विभाग भारत सरकार के कंसलटेंट निलेश कुमार ने कहा कि साइबर फ्रॉड से बच्चों के लिए बचने के लिए जागरूकता सबसे जरूरी चीज़ है। उन्होंने संवाद कौशल अपने जीवन में बेहतर करने के लिए काफी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने अपनी बातों को दूसरों तक पहुँचाने में जागरुकता जरूरी है। उन्हें श्रम विभाग के द्वारा लगाया जा रहे जॉब कैंप व कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत पूर्वक बताया। इस अवसर पर पीरामल फाउंडेशन के मुकेश कुमार ने कहां की बच्चों को शब्दों का भंडार अपने अंदर सजाना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी कौशल और फाइलेरिया में रोकथाम के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की। इस कार्यशाला में उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रजा ने विषय प्रवेश करते हुए कहा कि 21वीं सदी कौशल कार्यशाला काफी महत्वपूर्ण है। किशोर किशोरियों को इस कौशल की सख्त जरूरत है ताकि अपने जीवन के सपनों को साकार करने में मदद मिल सके। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास निगम की निधि कुमारी ने 21वीं सदी के कौशल पर अपनी बात रखी। इस कार्यक्रम में उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रज़ा, प्रखंड समन्वयक जितेंद्र कुमार सिंह, विकास मित्र कविता कुमारी, रिंकी भारती, रेणु कुमारी, अजय राज, रिभा कुमारी,पूनम देवी, आशा कुमारी रवि माझी, मुकेश राम, रामकुमार रंजन, नीतू कुमारी, प्रियंका कुमारी, नवल किशोर माझी, पप्पू कुमार, लालू मांझी सहित अन्य विकास मित्र, किशोर किशोरी समूह की सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद थे।

कैदी वाहन की ठोकर से पूर्व मुखिया बुरी तरह जखमी, प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम। मोतिहारी

नगर थाना क्षेत्र के कचहरी चौक पर पुलिस कैदी वाहन के ठोकर से हरदिया के पूर्व मुखिया अजमुद्दीन आजम बुरी तरह जख्मी हो गए। घटना को लेकर पूर्व मुखिया का पुत्र मासूम सोहैल ने नगर थाना में आवेदन दे कर प्राथमिकी दर्ज कराई है। जहां आवेदन में उसने बताया है कि 2 दिसंबर को करीब 11 बजे दिन में उसके पिता अजीमुद्दीन आजम अपनी पल्सर बाइक से निजी कार्य को लेकर समाहरणालय मोतिहारी जा रहे थे। उसी दौरान कचहरी चौक के समीप अचानक पुलिस कैदी वाहन के चालक द्वारा तेजी एवं लापरवाही से उसके पिता अजीमुद्दीन आजम को ठोकर मार दिया। जहां वह बुरी तरह जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों द्वारा उनको एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए रहमानिया मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया। पूर्व मुखिया की स्थिति गंभीर बनी हुई है। अभी इलाज चल रहा है। वहीं घटना के बाद कैदी वाहन के चालक वाहन लेकर फरार हो गया। लेकिन अभी तक मरीज से कोई पदाधिकारी हाल चाल जानने के लिए नहीं पहुंचा है। इधर पूर्व मुखिया के ब्याई

अधिवक्ता तबरेज आलम ने बताया कि मामले नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। कैदी वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 05 पी 3700 है। जिसका इंश्योरेंस व प्रदूषण दोनों फेल है।

संक्षिप्त समाचार

हरसिद्धि में चालीस लीटर चुलाई शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के जागापाकड़ चौक के समीप से स्थानीय पुलिस ने मंगलवार को बाइक पर लदी चालीस लीटर चुलाई शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। इसको लेकर थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि अरेराज के तरफ से चुलाई शराब लेकर तस्कर जा रहे है। तत्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस बल ने जागापाकड़ चौक के समीप बाईक पर लदी 40 लीटर चुलाई शराब के साथ संग्रामपुर थाना क्षेत्र के कोईरगांवा निवासी हरेंद्र मुखिया को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। छापेमारी टीम में पीएसआई सीमा कुमारी के साथ पुलिस बल सामिल थे।

अनुमंडल पदाधिकारी ने चाप चौक से सीता कुंड धाम तक निर्माणाधीन पथ का किया निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के चकिया अनुमंडल पदाधिकारी शिवाक्षी के द्वारा मंगलवार को चकिया प्रखंड के बेदीवन मधुबन पंचायत अंतर्गत चाप चौक से सीता कुंड धाम तक लगभग 2 किलोमीटर की लंबाई में निर्माणाधीन पथ का निरीक्षण किया गया। इस पथ का निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग के द्वारा कराया जा रहा है। उक्त निरीक्षण के दौरान उन्होंने पथ की मोटाई एवं राबिश की मात्रा आदि की जांच की एवं संयोजक को गुणवत्तापूर्ण सड़क बनाने का निर्देश दिया गया।

अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा बताया गया है कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता में किसी प्रकार की शिकायत पाए जाने पर संवेदक के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी और इस संबंध में संयोजक को कड़ी हिदायत दी गई है।

जिला के सभी राजस्व ग्राम को आदर्श ग्राम बनाने का दिया गया लक्ष्य

बीएनएम। मोतिहारी। अपने कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त पूर्वी चंपारण शंभू शरण पांडे के द्वारा ग्रामीण विकास के अधिकारियों के साथ बैठक कर पूर्वी चंपारण जिला के सभी राजस्व ग्राम को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने का लक्ष्य दिया गया। उप विकास आयुक्त ने कहा कि सभी गांव को सरकार की सारी योजनाओं से अच्छादित करते हुए गांवों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करना सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान

लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में शौचालय निर्माण को पूर्ण कराते हुए उसके लिए निर्धारित प्रोत्साहन राशि का भुगतान 15 जनवरी तक हर हाल में करने का निर्देश दिया गया। शपंचायत में नए स्वच्छता पर्यवेक्षक एवं स्वच्छता कर्मी के चयन के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया। उप विकास ने कहा कि जहां पर सामुदायिक स्वच्छता निर्माण का कार्य अभी प्रारंभ नहीं किया गया है वहां शीघ्र कार्य प्रारंभ करते हुए कार्य पूर्ण कराकर उसका भुगतान करना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में उप विकास आयुक्त के साथ निदेशक डीआरडीए, जिला समन्वयक, जिला सलाहकार सहित प्रखंड समन्वयक उपस्थित थे।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में मानवाधिकार दिवस पर विशेष व्याख्यान आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा मानवाधिकार दिवस के अवसर पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक विज्ञान संकाय के संकायध्यक्ष प्रो. सुनील महावर ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई साथ ही राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज के निदेशक प्रो. राजेश शर्मा ने बीज वक्ता के रूप में विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष डॉ. सरिता तिवारी द्वारा स्वागत भाषण और विषय प्रवेश से हुई। उन्होंने मानवाधिकारों के सार्वभौमिक घोषणा पत्र की चर्चा करते हुए बताया कि इसे तैयार करने में एलेनोर रूजवेल्ट के अथक प्रयासों का महत्वपूर्ण योगदान था। उन्होंने कहा, "उनके इस महान कार्य को उस समय के अमेरिका के राष्ट्रपति ने 'वीमेन ऑफ द वर्ल्ड' का सम्मान दिया।" मुख्य अतिथि प्रो. सुनील महावर ने अपने संबोधन में कहा कि मानवाधिकार समाज में समानता और न्याय सुनिश्चित करने का आधार हैं। वहीं, प्रो. राजेश शर्मा ने अपने वक्तव्य में मानवाधिकारों के ऐतिहासिक और वैश्विक संदर्भों पर प्रकाश डाला। प्रो. प्रसून दत्त ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्राकृतिक अधिकार ही मानवाधिकारों के मूल स्रोत हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समाज में हर व्यक्ति के लिए समान अवसर और सम्मान सुनिश्चित करना ही मानवाधिकारों की सच्ची परिभाषा है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. नरेंद्र आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। उन्होंने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए मानवाधिकारों के प्रति प्रतिबद्धता बनाए रखने की अपील की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं, संकाय सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम ने मानवाधिकारों की महत्ता और उनके संरक्षण की आवश्यकता पर गहन विचार-विमर्श को प्रोत्साहित किया।

फर्नीचर कारखाना में आग लगने से लाखों की संपत्ति जलकर राख

बीएनएम। राकेश कुमार

मोतिहारी। जिले के हरसिद्धि थाना से महज सौ मीटर के दूरी पर गांधी हाई स्कूल के पीछे सोना फर्नीचर कारखाना में सोमवार की रात्रि आग लग गई। जिसमें लाखों की बना फर्नीचर जेनेरेटर, फर्नीचर बनाने वाला मशीन, प्लाई, लकड़ी, जलकर राख हो गई। घटना की सूचना पाकर जब दुकान मालिक गया तो देखा कि अगल बगल के लोग मोटर चलाकर आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे थे। आग इतनी भयावह थी कि लोगों की हिम्मत नहीं किया कि कुछ समान को निकल सके। देखते- देखते लाखो की संपति जलकर नष्ट हो गई। इस संबंध में कारखाना के मालिक रविश कुमार व राहुल कुमार ने एक लिखित आवेदन थाना और अंचलधिकारी को दिया। आवेदन में बताया कि तैयार पलंग, सोफा सेट, जेनेरेटर समेत कई मशीन प्लाईवुड, अलमीरा, कुर्सी, टेबल, पेंट मशीन सहित लगभग बारह लाख की नुकसान हुई है।

पिता के मृत्युपरान्त पुत्री ने दी मुख्यग्नि, लोगो ने की सराहना

बीएनएम। मोतिहारी

माता-पिता की मृत्यु के उपरांत कौन करेगा दाह-संस्कार। इसके लिए धर्म-शास्त्रों में एक श्रेणी बनी हुई है। प्रथम अधिकार पुत्र को जाता है। उसके बाद अन्य लोगों का धर्म रूप से अधिकार बनता है, लेकिन अब देखा जा रहा है कि पुत्र नहीं रहने पर पुत्री भी शव को कंधा देकर मुखाग्नि संस्कार कर रही है।

ऐसी ही घटना पूर्वी चंपारण जिले के ग्राम- पकडी, थाना- डुमरियाघाट, प्रखंड-संग्रामपुर, के रहने वाले शंकर प्रसाद की अंतिम इच्छा पूरी करने के लिए उनकी बेटी सुनीता देवी ने हिन्दू धर्म के संस्कार से अपने पिता की अंतिम यात्रा में कंधा देकर मुखाग्नि भी दिया। जिसकी चर्चा चारों तरफ है तथा समाज के लोगों के द्वारा इसका समर्थन भी मिल रहा है। लोगो ने बताया कि शिक्षा के प्रचार-प्रसार तथा नारी सशक्तिकरण का प्रभाव के कारण हो रहा है। यह एक अच्छा प्रयास है। ऐसे न सिर्फ पुत्र-पुत्रियों में भेदभाव ख़त्म होगा, बल्कि पुत्र पर निर्भरता भी ख़त्म हो जाएगा। इसकी सराहना एवं समर्थन लोगों द्वारा किया जाना चाहिए।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

बेला पैक्स अध्यक्ष का मतगणना फिर चर्चाओं का बाजार गरम

बीएनएम। विजय कुमार

रामगढ़वा। प्रखंड के चर्चित बेला पैक्स अध्यक्ष का मतगणना कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सोमवार को देर संध्या संपन्न हुआ। निर्वाचन पदाधिकारी इंद्रजीत दास ने बताया की शत्रुघ्न प्रसाद को 553 मत एवं संजू देवी पति बलिराम यादव को 568 मत मिले इस प्रकार कुल 1121 मत वैध पाए गए थे। परंतु परिणाम से असंतुष्ट शत्रुघ्न प्रसाद के द्वारा री काउंटिंग (दोबारा गिनती) की आवेदन दिया गया, जिस पर दोबारा गिनती की गई जिसका परिणाम शत्रुघ्न प्रसाद को 516 मत और संजू देवी को 592 मत मिले, इस प्रकार संजू देवी को 76 मतों से विजय घोषित की है।

अब चर्चाओं के बाजार गर्म - अब प्रखंड क्षेत्र में तरह तरह के बातें सामने आने लगी है। पहली बार गिनती में जब 1121 मत वैध पाए गए। रिकाउंटिंग (दोबारा गिनती) में 1108 बहुत सही पाए गए तो जीत हार की अंतर 15 से 76 पर कैसे पहुंच गई। जबकि दूसरी पहलू से देखा जाए तो संजू देवी के कुल मत पहली बार 568 पाए गए तो दूसरी बार 592 पर कैसे पहुंच गई। जब शत्रुघ्न प्रसाद की पहली बार 553 मत तो दूसरी बार 516 पर पहुंच गई। जबकि मास्टर ट्रेनर के द्वारा गिनती की गई थी। इस प्रकार अगर परिणाम घोषित होती है तो चर्चा होना भी लाजमी है।

क्या हुआ था इस पंचायत में- इस पंचायत में प्रथम चरण यानी 26 नवंबर को चुनाव संपन्न हुआ था। जिसकी मतगणना 27 नवंबर को हुई थी। जिसमें 118 फर्जी मतपत्र मिलने के कारण प्रतिकार के निर्देश पर अध्यक्ष पद का चुनाव सोमवार को यानि 9 दिसंबर को संपन्न हुआ था। सुरक्षा में प्रभारी थाना अध्यक्ष सुमित कुमार, एस आई अजीत सिंह, कृष्णा राय सहित भारी संख्या में सिपाही बल मौजूद थी।

एसपी ने विधि व्यवस्था का लिया जायजा

बीएनएम। केसरिया

जिला पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात ने मंगलवार को चंपारण सीमा के जगीराहां स्थित चेक पोस्ट पहुँच विधि-व्यवस्था का जायजा लिया। बिजधरी थानाध्यक्ष राजीव कुमार को निदेश देते हुए कहा कि सीमावर्ती जिले से आने वाले सभी प्रकार के वाहनों पर विशेष नजर रखें। प्रतिबंधित सामग्री तस्करी की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करें। वहीं निरीक्षण के समय मौजूद सभी पुलिस पदाधिकारियों को विधि व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निदेश दिया। उन्होंने कहा कि ट्रिपल बाइक सवार, बिना कागजात, बिना नम्बर प्लेट वाहन व बिना हेलमेट के चलने वाले बाइक चालकों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई करें। क्षेत्र में पुलिस गश्ती टीम को सक्रिय रहने को लेकर भी आवश्यक दिशा-निदेश दिया। मौके पर केसरिया पुलिस निरीक्षक मुनीर आलम, केसरिया थानाध्यक्ष उदय कुमार, एसआई अनिल कुमार सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात शव बरामद

बीएनएम। केसरिया। लाला छपरा-केसरिया सड़क मार्ग के बजरंगी स्वीट्स के समीप मंगलवार को एक शव बरामद किया गया है। हालांकि शव की पहचान नहीं की जा सकी है। मृतक की उम्र करीब 40 होगी। आशंका जतायी जा रही है कि किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत हो गई है। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

35 हजार का इनामी ड्रग तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी। जिला टेक्निकल सेल व रक्सौल पुलिस ने संयुक्त कारवाई करते हुए ड्रग तस्करी व हत्या कांड के मामले में 35 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाश टिंकू मियां के विरुद्ध रक्सौल थाने में आर्म्स एक्ट व ड्रग्स तस्करी एवं दरपा थाने aमें एक हत्या का मामला दर्ज है। बताया गया है कि पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात ने संगीन अपराध के इस आरोपी के विरूद्ध एक माह पूर्व 35 हजार का इनाम घोषित किया था। पुलिस टीम में रक्सौल एसएचओ राजीव नन्दन सिम्हा,टेक्निकल सेल के एसआई मनीष कुमार,अनुज कुमार सिंह,विनीत कुमार,भानु प्रताप द्विवेदी , एएसआई परमानन्द ठाकुर,सिपाही लव कमार, शिव शंकर कुमार व सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

भर्ती हुए युवाओं के भविष्य पर संकट को लेकर एडीएम को आवेदन सौंपा गया

बीएनएम। मोतिहारी। अग्निपथ योजना 2019-2022 के बीच भर्ती हुए युवाओं के भविष्य पर संकट कार्यक्रम के तहद युवा कांग्रेस पूर्वी चम्पारण के द्वारा ADM को आवेदन सौंपा गया। जिस आवेदन में नई दिल्ली भारतीय सेना में भर्ती के लिए 2019 से 2022 तक चयनित हुए लगभग 1.5 लाख युवाओं की भर्ती प्रक्रिया में अनिश्चितता और असुरक्षा का माहौल है। इन युवाओं ने सभी आवश्यक भर्ती प्रक्रियाएं पूरी की थीं लेकिन आज तक उनकी नियुक्ति नहीं हो पाई है। सरकार की ओर से लागू की गई अग्निपथ योजना ने इस समस्या को और भी गंभीर बना दिया है।युवाओं का कहना है कि इस योजना ने न केवल उनकी उम्मीदों पर पानी फेरा है, बल्कि उनके भविष्य को भी खतरे में डाल दिया है। इस योजना के तहत चार साल की अस्थायी सेवा, कम वेतन और सेवा समाप्ति के बाद स्थायित्व की कोई गारंटी न होने के कारण युवाओं का सेना में भर्ती होने का मनोबल गिर रहा है।इस मुद्दे पर विचार करते हुए, चयनित युवाओं का कहना है कि वे देश सेवा के लिए तैयार थे और अपनी पूरी मेहनत और समर्पण के साथ भारतीय सेना में शामिल होने का सपना देख रहे थे। अब उन्हें अनिश्चितता के दौर से गुजरना पड़ रहा है। उनका कहना है कि यदि सेना में स्थायी सेवा की कोई गारंटी नहीं होती, तो उनका आत्मविश्वास और भविष्य दोनों पर सवाल उठते हैं।केंद्र सरकार द्वारा पेश की गई अग्निपथ योजना ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। युवा वर्ग का कहना है कि इस योजना से सशस्त्र बलों की स्थिरता पर भी सवाल उठते हैं, और उनका मानना है कि इससे सेना में भर्ती की प्रक्रिया में और अधिक भ्रम और असमंजस पैदा हो सकता है।संगठनों और युवा नेताओं ने सरकार से यह अपील की है कि वे इस योजना की समीक्षा करें और उन युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए ठोस कदम उठाएं, जो पहले ही सेना में भर्ती के लिए चयनित हो चुके हैं।देश की सुरक्षा के लिए अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए तैयार ये युवा अब अपनी नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं। ताकि वे अपने सपनों को साकार कर सकें और देश की सेवा में अपने योगदान को निभा सकें। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा कांग्रेस पूर्वी चम्पारण के जिला अध्यक्ष बिट्टू यादव ने की इस कार्यक्रम में NSUI के जिला अध्यक्ष आशीष कुमार आमिर जावेद,मो. इकराम आर्मी भर्ती के साथी आतिश पांडेय,अभिराज सिंह,अमित कुमार शर्मा,विकाश कुमार ,विजय यादव,अमित साहू , परवेज आलम आदि मौजूद थे।

दो बाईक की आमने-सामने टक्कर में एक की मौत

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के सुगौली थाना क्षेत्र के सुगौली-हरसिद्धि मार्ग में कोबैया पेट्रोल पंप के समीप मंगलवार की सुबह दो बाइक की आमने-सामने टक्कर में एक बाइक सवार अधेड़ की मौत हो गई,जबकि एक अन्य बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक हरसिद्धि थाना क्षेत्र के पानापुर नयका टोला गांव के वार्ड नंबर 12 निवासी फुलेना प्रसाद (56) है जबकि घायल कोबैया का आशुतोष कुमार बताया गया है। घटना के सम्बन्ध में बताया गया कि फुलेना प्रसाद सुबह घर से छपवा सब्जी बेचने जा रहा था। इसी बीच विपरीत दिशा से आ रही एक बाइक से आमने-सामने टक्कर हो गई, जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों के सहयोग से घायल को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।जहां

उसका प्राथमिक उपचार कर मोतिहारी रेफर किया गया।मृतक के शव पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया है।

मानवधिकार दिवस पर बांग्लादेश में हिन्दू उत्पीड़न पर गोष्ठी का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

विश्व मानवाधिकार दिवस पर मंगलवार को मानवाधिकार समन्वय समिति ने राजा बाजार स्थित विवेकानंद पार्क मे बांग्लादेश में अल्पसंख्यको के उत्पीड़न पर बुद्धिजीवियो के संगोष्ठी का आयोजन किया।विचार गोष्ठी को संबोधित करते राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांतीय सदस्य विजय जायसवाल ने कहा कि भारत मे हिन्दुत्व निष्ठ सरकार को देखते हुए भारत के चारो ओर से इस्लामिक और ईसाईयत आतंकवाद घेरने का प्रयास कर रही है। इसी की कडी में बांग्लादेश मे अल्पसंख्यक हिन्दुओ को प्रड़ताड़ित किया जा रहा है। बंग्लादेश मे हिन्दुओ की हत्या हो रही है मां बहनो के साथ बलात्कार हो रहा है। हिन्दू घरो और मठ मंदिरो मे आग लगाकर सरेआम भारत विरोधी नारे लगाए जा रहे है लेकिन मानवाधिकार आयोग केनल बैठा तमाशाबीन बना है। गोष्ठी को संबोधित करते पूर्व जिला शिक्षा पदाधिकारी कपिल देव तिवारी और मुंशी सिंह महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य अरूण मिश्रा ने भी बांग्लादेश मे हिन्दुओ की प्रड़ताड़ना की निन्दा करते कहा कि एक सोची समझी साजिश के तहत पाकिस्तान चीन जैसे देशो के ईशारे पर ये सब हो रहा है,साथ विश्व के इस्लामिक आतंकवादी शक्तिया में इसमे सहयोग कर रही है। कश्मीर से हिन्दू घर द्वार और सम्पति छोडकर भाग जाएगे आज उसी प्रकार की हालात बंग्लादेश के हिन्दुओ की हो गई है भारत मे भी हमे जाति वाद के खिलाफ मुखरित होना होगा।गोष्ठी के उपरांत उदयनारयण सिंह के नेतृत्व मे एक शिष्टमंडल ने प्रभारी जिलाधिकारी को राष्ट्रपति और प्रधान मंत्री के नाम से ज्ञापन भी सौंपा।

चैंपियन बने ब्रावो एथलेटिक्स क्लब के खिलाड़ी हुए सम्मानित

मोमेंटो और पुष्प गुच्छ देकर किया गया सम्मान

बीएनएम। मोतिहारी

जिला वॉलीबॉल संघ द्वारा आयोजित जिला स्तरीय जूनियर और सीनियर दोनों वर्गों में ब्रावो एथलेटिक्स क्लब ने चैंपियनशिप जीतकर एक बार फिर अपने क्लब का परचम लहराया। ब्रावो एथलेटिक्स क्लब के खिलाड़ियों ने दोनों वर्गों में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत का सिलसिला कायम रखा। मंगलवार को ब्रावो एथलेटिक्स क्लब के सचिव भानू प्रकाश ने क्लब के अन्य सदस्यों एवं सहयोगियों के साथ मिलकर स्थानीय खेल भवन में खिलाड़ियों को मोमेंटो और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। खिलाड़ियों में विवेक रंजन, आदित्य कुमार, विकाश कुमार, रौशन कुमार, सर्वेश भारद्वाज, पंकज कुमार, सूर्यनायक, सुशील गिरी, यशवंत कुमार, निहाल, रेहान, आदित्य, रोहन, आशुतोष, सत्यम, दिव्यांश, आयुष, शिवम, सत्यार्थ को सम्मान दिया गया। मौके पर उपस्थित क्लब सचिव भानू प्रकाश, शैलेन्द्र मिश्र बाबा, अभिनव कुमार, अप्पू कुमार, धैर्य कश्यप, उपेन्द्र पटेल, अरविन्द कुमार, अमित कश्यप, रश्मि रंजन, मो. मोबसिर, रमेश कुमार, शासिंद्र कुमार, ऋषि कुमार मौजूद रहकर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया।

पूर्वी चंपारण के ढाका में चार गिरफ्तार, असलहा बरामद

बीएनएम। मोतिहारी

जिले की ढाका थाना पुलिस ने एक फॉर्च्यूनर गाड़ी पर सवार चार संदिग्धों को आर्म्स के साथ गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक फार्च्यूनर गाड़ी, एक देशी पिस्टल, 7 जिंदा कारतूस, 4 मोबाइल फोन व 14 हजार कैश बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों में बेगूसराय जिले के बरियारपुर मंझौल का नितेश कुमार, पटना शास्त्री नगर थाना क्षेत्र के एपी कॉलोनी के अजय कुमार, पाटलिपुत्र राजीव नगर के शिवम कुमार एवं पाकुड़ महेशपुर के शुभम चौबे शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, सभी आरोपित किसी गलत मंशा से ढाका पहुंचे थे। वाहन जांच के दौरान पुलिस ने सन्देह के आधार पर फॉर्च्यूनर वाहन की जांच की तो आर्म्स बरामद किया गया। बहरहाल पुलिस गिरफ्तार किए गए लोगों के सम्बंध में उनसे सम्बंधित थाने से जानकारी जुटाने में लगी है। पुलिस टीम में डीएसपी सिकरहना अशोक कुमार, सहायक थानाध्यक्ष ढाका नीरज कुमार और एएसआई रणवीर कमार सिंह सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

आर्थिक बदहाली की सीधे जिम्मेदार सरकार

सरकार ने पेट्रोलियम की कीमतों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की नीति पर सचमुच अमल किया होता, तो साढ़े 36 लाख करोड़ रुपये लोगों की जेब में बचते। इतना पैसा उपभोग क्षेत्र में जाता। बेशक उससे बाजार को जो बल मिल सकता था। संसद में बताया गया है कि 2019-20 से 2023-24 तक केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम पर कर/ उपकर/ शुल्क से 36,58,354 करोड़ रुपये वसूले। ध्यान दीजिएः 2024-25 के आम बजट में सरकार की कुल आमदनी का अनुमान 30,80,274 करोड़ रुपए लगाया गया है। 2019-20 में यह रकम 20,82,589 करोड़ रुपये थी। तो पांच साल में पेट्रोलियम पर टैक्स से सरकार ने उतनी रकम बटोर ली, जो इनमें से किसी एक वर्ष में उसे हुई आमदनी से ज्यादा है। इस दौर में बुनियादी मानव विकास से संबंधित योजनाओं के बजट में कटौती का सिलसिला भी चला है। तो वाजिब सवाल कि है सारी अतिरिक्त आय गई कहां? अब इसी हफ्ते कुछ संकेत संसद में दिए गए एक अन्य आंकड़े पर गौर करेः 2023-24 सरकारी बैंकों ने एक लाख 70 हजार करोड़ रुपए के ऋण माफ कर दिए। पांच साल में ये रकम लगभग नौ लाख करोड़ रुपये बैठती है। इसके अलावा सरकार कह सकती है कि वह इन्फ्रास्ट्रक्चर में पूंजीगत निवेश पर हर साल दस लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर रही है। देश में मैनुफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव योजना पर भी बड़ी रकम खर्च हुई है। इसके अलावा 2019 में कॉरपोरेट टैक्स में दी गई छूट के कारण सरकार पर लाखों करोड़ रुपये का बोझ पड़ा। बहरहाल, यह प्रश्न अनुत्तरित है कि की सरकार की इन प्राथमिकताओं से आम जन को क्या हासिल हुआ? जिस समय मध्य वर्ग का ह्रास एक आम कथानक बन चुका हो और उद्योग जगत बाजार सिकुड़ने की शिकायत कर रहा हो, तो यह अवश्य पूछा जाएगा कि आम लोगों की जेब से कॉरपोरेट सेक्टर धन ट्रांसफर करने की नीति पर पुनर्विचार करने के लिए सरकार तैयार क्यों नहीं है? कल्पना कीजिए कि सरकार ने पेट्रोलियम की कीमतों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की नीति पर सचमुच अमल किया होता। तब साढ़े 36 लाख करोड़ रुपये लोगों की जेब में बचते। इतना पैसा उपभोग क्षेत्र में जाता। उससे बाजार को जो बल मिलता, वह बेशक आर्थिक आंकड़ों में झलकता। तो क्या आज की आर्थिक बदहाली की सीधी जिम्मेदारी सरकार पर नहीं जाती है?

रैगिंग के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएं

पिछले दिनों गुजरात के पाटन में एक मेडिकल कॉलेज में रैगिंग के कारण 18 साल के एक छात्र की मौत के बाद उम्मीद जगी थी कि कॉलेजों में रैगिंग के मामलों पर रोक लगेगी लेकिन उसके बाद भी जिस प्रकार आये दिन देश भर से रैगिंग के मामले सामने आ रहे हैं, उन्हें देखते हुए कॉलेजों में रैगिंग को लेकर तत्काल कड़े कदम उठाने की जरूरत महसूस होने लगी है। पाटन मेडिकल कॉलेज में रैगिंग से छात्र की मौत के मामले में खुलासा हुआ है कि 15 सीनियर छात्रों ने उस जूनियर छात्र सहित कई छात्रों से लगातार तीन घंटे डांस करवाया, गाने गवाए और उन्हें शारीरिक-मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। मानसिक-शारीरिक यातना दिए जाने के कारण अनिल मेथानिया आधी रात को बेहोश होकर गिर पड़ा। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मेडिकल कॉलेज के द्वितीय वर्ष के 15 छात्रों को गैर-इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। रैगिंग पर लगाम कसने को लेकर देश भर के तमाम शिक्षण संस्थानों में सख्ती बेहद जरूरी है क्योंकि हर साल ऐसे अनेक मामले सामने आते हैं, जिनमें रैगिंग के शिकार छात्र अवसाद के शिकार हो जाते हैं, कुछ रैगिंग से डर कर पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं, तो कुछ मौत को गले लगा लेते हैं। रैगिंग रोकने के लिए सख्त अदालती दिशा-निर्देश हैं, लेकिन जिस प्रकार रैगिंग के मामले सामने आ रहे हैं, उससे चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। हिमाचल के एक मेडिकल कॉलेज में 2009 में रैगिंग से एक छात्र की मौत के बाद सुप्रीम कोर्ट ने देश के शिक्षण संस्थानों में रैगिंग विरोधी कानून सख्ती से लागू करने के आदेश दिए थे, जिसके तहत दोषी पाए जाने वाले छात्र को तीन साल के सश्रम कारावास और आर्थिक दंड का प्रावधान था। दोषी छात्र को कॉलेज तथा हॉस्टल से निलंबित या बर्खास्त किया जा सकता है। उसकी छात्रवृत्ति तथा अन्य सुविधाओं पर रोक, परीक्षा देने या परीक्षा परिणाम घोषित करने पर प्रतिबंध लगाने के अलावा अन्यत्र उसके दाखिले पर भी रोक लगाई जा सकती है। रैगिंग के मामले में कार्रवाई न करने अथवा मामले की अनदेखी करने पर कॉलेज के खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है, जिसमें कॉलेज पर आर्थिक दंड लगाने के अलावा कॉलेज की मान्यता रद्द करने का भी प्रावधान है। अदालत के दिशा-निर्देशों के तहत किसी छात्र के रंग-रूप या उसके पहनावे पर टिप्पणी करके उसके स्वाभिमान को ठेस पहुंचाना, उसकी क्षेत्रीयता, भाषा या जाति के आधार पर उसका अपमान करना, उसकी नस्ल या पारिवारिक पृष्ठभूमि पर अभद्र टिप्पणी करना या उससे जबरन किसी प्रकार का अनावश्यक कार्य कराया जाना रैगिंग के दायरे में सम्मिलित किया गया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा देश के प्रत्येक उच्च शिक्षण संस्थान में रैगिंग के खिलाफ एक समिति बनाने से लेकर संबंधित नियमों का पालन नहीं करने पर संस्थान की मान्यता रद्द करने तक के सख्त निर्देश हैं, लेकिन रैगिंग के लगातार सामने आते मामलों को देख कर हैरानी होती है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरिजीत पसायत, जस्टिस डी. के. जैन तथा जस्टिस मुकुंदकम शर्मा की खंडपीठ ने रैगिंग रोकने के लिए 11 फरवरी, 2009 को पहली बार बेहद कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि रैगिंग में मानवाधिकार हनन जैसी गंध आती है। खंडपीठ ने राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों को शिक्षण संस्थानों में रैगिंग पर रोक लगाने के लिए राघवन कमेटी की सिफारिशों को सख्ती से लागू करने का निर्देश देते हुए कहा था कि रैगिंग रोकने में विफल शिक्षण संस्थाओं की मान्यता रद्द करें। 2001 में भी सुप्रीम कोर्ट ने उन्नीकृष्णन समिति की सिफारिश के आधार पर रैगिंग पर प्रतिबंध लगाते हुए इसके लिए कठोर सजा का प्रावधान करते हुए अपने आदेश में स्पष्ट कहा था कि शिक्षा परिसरों में रैगिंग रोकना शिक्षा संस्थानों का नैतिक ही नहीं, कानूनी दायित्व भी है, जिसे न रोक पाना दंडनीय अपराध की श्रेणी में लाया जाएगा और ऐसे संस्थानों की संबद्धता तथा उन्हें प्रदत्त सरकारी वित्तीय सहायता समाप्त की जा सकती है। कोर्ट का स्पष्ट कहना था कि रैगिंग के नाम पर दुर्व्यवहार रोकना कॉलेज प्रबंधन, प्राचार्य,अधिकारियों तथा छात्रावास अधीक्षकों की जिम्मेदारी बनती है। एक विद्यार्थी कितने सपने संजो कर कॉलेज की दहलीज पर पहला कदम रखता है।

पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में बीमारियों का कारगर उपचार दूंढा जाये शोधों को बढ़ाकर

डॉ. आर.के. सिन्हा

सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों एक याचिका दाखिल कर प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को शामिल करने की मांग की गई है । यह बिल्कुल ठीक ही है कि ऐसा करने से देश की एक बड़ी आबादी को सस्ती और असरदार स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। साथ ही, पारंपरिक चिकित्सा को भी पर्याप्त बढ़ावा मिलेगा और वे पहले की भाँति फिर से लोकप्रिय हो सकेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। हालांकि यह मामला ऐसा नहीं है, जिस पर सरकार को फैसला लेने में बहुत दिक्कत हो। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ, जैसे आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी इत्यादि, गरीब जनता के लिए कई मायनों में वरदान रही हैं और सरकारी संरक्षण प्राप्त होने पर और भी लोकप्रिय साबित हो सकती हैं। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में आमतौर पर आधुनिक चिकित्सा की तुलना में उपचार की लागत काफी ज्यादा कम होती है। यह गरीब लोगों के लिए, जो महंगे अस्पताल और दवाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते , उनके लिए बहुत लाभकारी होती हैं। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स पिछले दिनों एक निजी यात्रा पर भारत आए हुए थे। उनके साथ उनकी पत्नी क्वीन कैमिला भी थीं। वे बेंगलुरु के पास एक आधुनिक आरोग्यशाला "होलिस्टिक हेल्थ सेंटर' में ठहरे। तीन दिन की यात्रा के दौरान किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला ने योग, मेडिटेशन सेशन और योग थेरेपी का भरपूर आनंद उठाया। यानी सामान्य रोगियों से लेकर ब्रिटेन के किंग को भी अब समझ में आ गया है कि सेहतमंद रहने और स्मार्ट दिखने के लिए भारत के आधुनिक डॉक्टरों और परम्परागत चिकित्सा पद्धतियों से इलाज करवाना कहीं ज़्यादा सही रहेगा। पारंपरिक चिकित्सक अक्सर ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में भी आसानी से उपलब्ध होते हैं, जहाँ आधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ कुछ ही "मल्टी स्पेशलिटी "अस्पतालों तक ही सीमित होती हैं। अतः यह पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां ग्रामीण गरीबों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं और इनमें गरीब ग्रामीणों का अटूट विश्वास भी है। ज्यादातर पारंपरिक उपचार स्थानीय रूप से उपलब्ध जड़ी-बूटियों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों पर ही आधारित होते हैं, जिसकी लागत कम होती है। एक खास बात यह भी है कि ये पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियाँ अक्सर शरीर और मन दोनों को एक साथ स्वस्थ रखने पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जो आधुनिक चिकित्सा की तुलना में अधिक समग्र दृष्टिकोण है। यह जीवनशैली संबंधी बीमारियों की रोकथाम में अत्यंत कारगर मदद कर सकती हैं। हालांकि कुछ पारंपरिक उपचारों की प्रभावशीलता के लिए पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाणों का अभाव गिना दिया जाता है क्योंकि आधुनिक वैज्ञानिक रूप से स्वीकार्य प्रयोगों पर आधारित साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। सरकार को चाहिये कि आधुनिक प्रयोगशालाओं में वैज्ञानिक शोध के आधार पर इनके कारगर परिणाम के साक्ष्य उपलब्ध करवाए। इससे रोगियों की सुरक्षा और उपचार की गुणवत्ता वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी सिद्ध और स्थापित हो सकेगी, नहीं तो पारम्परिक सिद्ध चिकित्सा पद्धतियों पर सवाल उठते ही रहेंगे। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से जुड़े लोगों को और भारत सरकार के आयुष मंत्रालय को इस तरफ ध्यान देने की जरूरत तो है। इनमें गहन शोध तो होना ही चाहिए। यह भी मानना होगा कि पारंपरिक चिकित्सा व्यवसाय का नियमन और गुणवत्ता नियंत्रण अक्सर अपर्याप्त होता है। सरकार को इस तरफ भी देखना होगा। इनके कुछ चिकित्सक ऐसे दावे करते हैं जिनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं होता है, जिससे रोगियों को भ्रमित किया जा सकता है और उनका स्वास्थ्य जोखिम में पड़ सकता है। अतः आयुष मंत्रालय को वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर इन दावों की प्रमाणिकता या तो सिद्ध करनी होगी या फिर ख़ारिज करना होगा। खैर, ये पद्धतियाँ जनता के लिए वरदान तो हो ही सकती हैं, खासकर जब वे आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत हों और उचित नियमन और गुणवत्ता नियंत्रण के साथ संचालित हों। हालांकि, इन पद्धतियों की सीमाओं और चुनौतियों को भी स्वीकार करना और उनका समाधान करना महत्वपूर्ण है , ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह उपचार पद्धति भी वैज्ञानिक रूप से प्रमाणिक है । भारत अपनी विविधता और समृद्ध इतिहास के लिए जाना जाता है, जिसमें अनेकों पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ हज़ारों वर्षों से चली आ रही हैं। आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्धा, होमियोपैथी और अनेक अन्य प्रणालियाँ सदियों से भारतीय समाज के स्वास्थ्य और कल्याण का एक अभिन्न अंग रही हैं। आज, जब आधुनिक चिकित्सा पद्धति तेज़ी से आगे बढ़ रही है, तब भी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि यह और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। विश्व भर से प्रतिवर्ष हज़ारों अत्यंत पढ़े- लिखे और समृद्ध लोग आख़िर भारत आकर इन चिकित्सा पद्धतियों पर लाखों खर्च क्यों करते हैं। वे सभी पागल तो हैं नहीं। उन्हें निश्चित रूप से लाभ मिल रहा है तभी तो वे यहाँ आकर महीनों रहकर , लाखों खर्चकर स्वस्थ होकर वापस जा रहे हैं। भारत में स्वास्थ्य सेवा का वितरण असमान है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं तक पहुँच सीमित होने के कारण, पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ स्वास्थ्य सेवा की पहुँच को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये पद्धतियाँ स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करती हैं और अक्सर कम खर्चीली होती हैं, जिससे वे आम लोगों के लिए अधिक सुलभ होती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अक्सर इन पद्धतियों पर ही निर्भर रहते हैं, क्योंकि ये उनके सांस्कृतिक परिवेश और आर्थिक स्थिति के अनुकूल हैं। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ केवल बीमारियों के इलाज पर ही केंद्रित नहीं हैं, बल्कि रोगों की रोकथाम पर भी ज़ोर देती हैं। आयुर्वेद और योग जैसे पद्धतियाँ जीवनशैली में बदलाव, आहार और व्यायाम के माध्यम से स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं, जिससे कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। ये पद्धतियाँ शरीर और मन के बीच संबंध को समझती हैं और समग्र स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करती हैं। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ प्रकृति से प्राप्त जड़ी-बूटियों और अन्य प्राकृतिक उपचारों का व्यापक उपयोग करती हैं। ये उपचार अक्सर कम साइड इफ़ेक्ट वाले होते हैं और आधुनिक दवाओं की तुलना में शरीर पर कम हानिकारक प्रभाव डालते हैं। भारत की जैव विविधता ने सदियों से पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को पोषित किया है और इन पद्धतियों को अद्वितीय उपचार विकसित करने का अवसर प्रदान किया है। इन चिकित्सा पद्धतियाँ भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये पद्धतियाँ सदियों से भारतीय समाज के जीवन में अंतर्निहित हैं और लोगों के स्वास्थ्य के प्रति दृष्टिकोण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन पद्धतियों को अपनाने से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण में भी वृद्धि होती है। आयुर्वेद और योग जैसे पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों ने विश्व स्तर पर लोकप्रियता हासिल की है। इनकी मांग बढ़ने से भारत के लिए आर्थिक अवसर भी पैदा हुए हैं। पारंपरिक चिकित्सा से संबंधित उद्योगों का विकास भारत की अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने और रोजगार के अवसर पैदा करने में योगदान दे सकता है। हालांकि, इन पद्धतियों को आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता है। यह महत्वपूर्ण है कि इन पद्धतियों का वैज्ञानिक सत्यापन किया जाए और उनकी प्रभावशीलता को सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, इन पद्धतियों के व्यावसायीकरण को नियंत्रित करने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उचित विनियमन की भी आवश्यकता है। एक बात फिर दोहराना चाहता हूं कि आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, आदि पद्धतियों से जुड़े विद्वानों को अपने अनुसंधान को और गहना करना होगा। वैज्ञानिक पद्धति से किए गए शोध इन पद्धतियों के लाभों, कार्यप्रणाली और सीमाओं को स्पष्ट कर सकते हैं। इससे न केवल इन पद्धतियों की विश्वसनीयता बढ़ेगी, बल्कि अविश्वसनीय दावों से भी बचा जा सकेगा। पारंपरिक पद्धतियों में पाए जाने वाले औषधीय पौधों और पदार्थों का आधुनिक विज्ञान के द्वारा गहन अध्ययन किया जा सकता है। इससे नई दवाओं और उपचारों का विकास संभव हो सकता है, जो कई बीमारियों के लिए प्रभावी इलाज मुहैया करा सकते हैं। बेशक, पारंपरिक औषधियों की सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कठोर शोध आवश्यक है। पारंपरिक पद्धतियाँ अक्सर व्यक्ति-विशिष्ट उपचार पर जोर देती हैं। शोध से यह पता चल सकता है कि किस प्रकार के रोगियों के लिए कौन सी पद्धति अधिक प्रभावी है और व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार उपचार को कैसे अनुकूलित किया जा सकता है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

खाद्य पदार्थों की कीमतें तेजी से बढ़ी

प्रो. लल्लन प्रसाद

अक्टूबर, 2024 में महंगाई दर 6.21 प्रतिशत पर पहुंच गई जो पिछले 14 महीने का सबसे ऊंचा स्तर है, यह रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की 4-6त्न की सीमा, जो अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षित मानी जाती है, के ऊपर है, जो चिंता का विषय है। खाद्य पदार्थों की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। यह स्थिति ऐसे में है जब अधिकांश खाद्य पदार्थों की पैदावार कम नहीं हुई है। एक अनुमान के अनुसार वितरण की अव्यवस्था के कारण लगभग 20त्न गल्ला उन लोगों तक नहीं पहुंच पाता जिनको उसकी आवश्यकता है। फर्जी राशन कार्ड और राशन कार्ड के दुरुपयोग और काले बाजार में गल्ला बेचने की घटनाएं आम हैं। व्यापारियों और अमीर किसानों द्वारा गल्ले का स्टॉक बढ़ा कर कीमतों को प्रभावित करने पर सरकारी नियंत्रण कमजोर है। तेजी से बढ़ती आबादी के कारण खाद्य पदार्थों की मांग भी बढ़ रही है। इसमें संदेह नहीं किंतु कीमतें उससे भी अधिक तेजी से बढ़ रही हैं। कुछ खाद्य पदाथरे की मांग-पूर्ति में बड़ा अंतर है, जिसके कारण उनकी कीमतों पर लगाम लगाना सरकार के लिए मुश्किल हो रहा है जैसे दालें, मौसमी सब्जियां, फल आदि। शाकाहारी लोगों की थालियां ही महंगी नहीं हुई हैं, वे लोग भी जो मांस, मछली, चिकन आदि का सेवन करते हैं, बढ़ती कीमतों से त्रस्त हैं। खाद्य पदार्थों के अतिरिक्त रोजमर्रा के उपयोग की चीजें-घी, तेल, साबुन, मसाले और किराने के अधिकांश सामान महंगे होते जा रहे हैं, जो लोगों की जेब पर भारी पड़ रहे हैं। कीमतों में वृद्धि के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यालय मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारत की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति सितम्बर, 2024 में बढ़ कर 5.4 9त्न हो गई। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए मुद्रास्फीति दर क्रमशः 5.87त्न और 5.05त्न थी।

अक्टूबर के आंकड़े और भी निराशाजनक थे, महंगाई दर 6.21त्नपर पहुंच गई, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए यह 6.68त्न और शहरी क्षेत्रों के लिए 5.62त्न थी। शहर वालों की अपेक्षा गांव के लोगों पर महंगाई की मार अधिक देखी गई। रिजर्व बैंक ने महंगाई की इस स्थिति का संज्ञान लेते हुए अल्पकालीन ऋण दर को बदलने से मना कर दिया और सरकार को सुनिश्चित करने को कहा कि मुद्रास्फीति मार्जिन को चार प्रतिशत पर लाने की कोशिश करे। गेहूं की कीमत पिछले कुछ वर्षो से लगातार तेजी से ऊपर जा रही हैं। 2010 में गेहूं की औसत कीमत 1100 रुपये प्रति क्विंटल थी जो 2015-16 में 1450 पर आ गई, अक्टूबर, 2024 में यह 2700 के ऊपर पहुंच गई। किसानों को इसका लाभ मिला किंतु उतना नहीं जितना अपेक्षित था क्योंकि इनपुट कीमतें खाद, बीज, डीजल, भाड़ा, श्रम, सभी महंगे होते गए। सरकार ने 2024-25 के लिए गेहूं की न्यूनतम खरीद दर 2425 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित की जिसे किसान बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। आम उपभोक्ता गेहूं की बढ़ती कीमतों से त्रस्त हैं। गरीबी में आटा गीला की कहावत चरितार्थ हो रही है। दालें शाकाहारी खाने में प्रोटीन की मुख्य स्रोत हैं, उनकी कीमतें पिछले कई वर्षो से लगातार बढ़ती जा रही हैं। 2020 में अरहर की दाल 80 रुपये प्रति किलो थी जो अब 180 प्रति किलो के लगभग है। अधिकांश दालों की खुदरा कीमत बाजार में 100 रुपये प्रति किलो के ऊपर है। दुनिया के दालों के कुल उत्पादन में भारत का हिस्सा 25त्न है, किंतु यह मांग से कम है, आयात की आवश्यकता पड़ती है। सब्जियों की कीमतें तो मौसम के अधीन रहती हैं, जिन पर जलवायु परिवर्तन का असर बराबर देखा जा रहा है। पिछले कुछ महीनों से टमाटर, आलू, प्याज आदि की कीमतें आसमान छू रही हैं। आटा, दाल, सब्जी और मसालों की कीमतों में लगातार बढ़त घर के खाने की थाली दिनोंदिन महंगी करती जा रही है, औसतन 10त्न प्रति वर्ष से अधिक की वृद्धि हो रही है। ढाबों से लेकर रेस्टोरेंट, होटल सभी में खाना महंगा होता जा रहा है। मांस, मछली, चिकन, अंडे की कीमतों में भी लगातार वृद्धि हो रही है। दूध उत्पादन में विगत वर्षो में अच्छी वृद्धि हुई है किंतु साथ ही कीमतें भी बढ़ी हैं। 2018-19 में भारत में दूध का उत्पादन 180 मिलियन टन के लगभग था जो 2023-24 में बढ़ कर 240 मिलियन के ऊपर पहुंच गया। इस बीच, दूध की सभी बड़ी कंपनियों ने कई बार कीमतों में वृद्धि की। देसी घी, खोवा और उनसे बनने वाली मिठाइयों की कीमतें भी बढ़ती जा रही हैं। खाद्य पदार्थों के अतिरिक्त रसोई गैस, पेट्रोल, डीजल, सोना-चांदी, आभूषणों, प्रसाधन के सामानों आदि की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी आम आदमी को प्रभावित करता है। 2020 में 14.2 केजी रसोई गैस सिलेंडर की कीमत सब्सिडी बिना 590 रुपये के लगभग थी, जो 2019 में 680 हो गई और वर्तमान में 800 के करीब है, विभिन्न राज्यों में कीमतों में कुछ अंतर है क्योंकि टैक्स की दरें एक सी नहीं हैं। पेट्रोल-डीजल कीमतों में भी इसी कारण राज्यों में अंतर है। इनकी कीमतें अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर निर्भर करती हैं, जिनमें उतार-चढ़ाव होते रहते हैं। इनकी कीमतों में बढ़त पूरी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है, चीजों को महंगी कर देती है क्योंकि ट्रांसपोर्ट का खर्च बढ़ जाता है, किराया भाड़ा महंगा हो जाता है। रेल, रोड, हवाई यातायात सभी महंगे हो जाते हैं। पांच वर्षो पूर्व दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 60 रुपये प्रति लीटर थी जो आज 95 के लगभग है। सोने की खपत विश्व में सबसे ज्यादा भारत में है। 2020 में 10 ग्राम 24 कैरट सोने का दाम 48600 रुपये था जो इस समय 74000 के करीब है। महंगाई वैश्विक समस्या है। सिर्फ भारत की नहीं है। महंगाई के मामले में भारत विश्व में दसवें स्थान पर है। कहावत है कि अर्थशास्त्र का इतिहास महंगाई का इतिहास है। इसमें कोई संदेह नहीं। हर व्यक्ति अपने जीवन में यह महसूस करता है। चाहे किसी भी देश का हो। पिछले कुछ वर्षो में भारत में महंगाई की अधिकतम दर 13.9त्न, 1991 में दर्ज की गई थी। आज भारत में महंगाई 6त्न से कुछ ऊपर है, जापान, चीन, सऊदी अरब में तीन प्रतिशत के लगभग है, जबकि रूस, जर्मनी, नीदरलैंड, इटली और यूके में 10त्न के ऊपर है, तुर्की और अर्जेंटीना में 83त्न तक की महंगाई दर्ज की गई। दिवालिया होने के कगार पर पहुंचे देशों में महंगाई चरम सीमा पर पहुंच जाती है जैसे श्रीलंका में हुआ था और पाकिस्तान में हो रहा है। महंगाई पर नियंत्रण का सबसे अच्छा तरीका है उत्पादन में वृद्धि एवं प्रभावशाली विपणन-वितरण व्यवस्था।

शब्द पहेली - 8338

बाएँ से दाएँ

1. प्रार्थना, खुशामद-4
4. श्मशान, शवदाहगृह-4
6. भ्रमर, चक्र-3
8. कामदेव, सुंदर-3
9. चांदी-3
11. सितारा-2
13. राजकुमार, मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15. हालात, तबियत-2
16. फिजूल, व्यर्थ-3
18. डिपो-3
19. गमन, विदा-3
20. झगड़ा, अनबन-4
22. लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1. आलता, माहुर-4
2. घाटा, नुकसान-2
3. कमल, जलज-3
4. अभिष्ट इच्छा, चाह-5
5. टक्कर, मुठभेड़-4
7. रात्रि, निशा-3
10. जरुरतमंद-5
12. हाथी साधने वाला-4
14. तरंग, हिलोर-3
17. कसरत, परेड-4
18. विश्राम, राहत-3
21. मार्ग, पथ-2

शब्द पहेली -8337 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम है। भाई- बहनों से यदि किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी, वह भी दूर होगी। आपकी किसी पुरानी गलती के लिए आपको परिवार में वरिष्ठ से माफी मांगनी पड़ सकती है। आज आपकी कोई योजना समय से पूरी हो जायेंगी। परिवार को समय देने से घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपकी परिस्थितियां पहले से अनुकूल रहेंगी। व्यापारिक क्षेत्र में आपको मेहनत से आज अधिक लाभ होगा। आज आपको धन लाभ के अनेक अवसर प्राप्त होंगे। आज दोस्तों के साथ ट्रिप का प्लान कर सकते हैं। ऑफिस का कोई महत्वपूर्ण कार्य करने में आज बिजी रहेंगे।

मिथुन राशि : आज आपका दिन बढिया रहने वाला है। आज आप अपनी किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देने जाएंगे जिसमें आपको सेलेक्ट कर लिया जायेगा। कोई नया बिजनेस स्टार्ट करने से पहले किसी अनुभवी से सलाह लेंगे जिससे आपका बिजनेस अच्छे से चले। पुस्तकालय के कारोबारी नई ब्रांच खोलने का मन बना सकते हैं।

कर्क राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के बेहतर परिणाम हासिल होंगे। दांपत्य जीवन में खुशी का माहौल बनेगा। आज बच्चे घर के काम में माता की मदद करेंगें ,जिससे माता उनसे प्रसन्न रहेगी। धार्मिक कार्यों में आपके धन की व्ययता रहेगी। साथ ही किसी धार्मिक अनुष्ठान में जाने का मौका मिल सकता है। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी।

सिंह राशिः आज आर्थिक तौर पर आपकी स्थिति मजबूत रहेगी। आपके अपने व्यापार में लाभ के योग हैं। साथ में कोई साइड बिजनेस कर सकते हैं। जिससे लाभ होने की संभावना बनेगी। नौकरी पेशा लोगों के लिए नए अवसर मिलने की संभावना है। जिन लोगों को पॉलिटिक्स में मैं रूचि है, उन्हें बड़ा पद प्राप्त होने के योग हैं। पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आएगी। नए कार्य की शुरूआत करें सफलता मिलेगी।

कन्या राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी समझदार व्यक्ति से सलाह जरूर ले ,अन्यथा आपका पैसा फंस सकता है। आपको किसी निवेश से बड़ा आर्थिक लाभ होने की संभावना है।

तुला राशिः आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आपके पारिवारिक जीवन में सौहार्द्र की वृद्धि होगी। आज कोई बड़ी जिम्मेदारी का निर्वाहन करना पड़ सकता है। आज धन लाभ के मौके हाथ लगेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। आज संतान पक्ष से आपको सुखद अनुभूति होगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। काफी दिनों बाद आज परिवार के साथ समय बिताएंगे। आज उनके प्रति लागाव बढेगा। आज रुके कार्यों में प्रगति होगी। आपके गृहस्थ जीवन में सुख शांति का माहौल बना रहेगा। डिप्लोमा कर रहे छात्रों को अपने सीनियर्स से महत्वपूर्ण जानकारियां मिलेंगी। ऑनलाइन फ्रॉड से बचने के लिए आप किसी अच्छी कंसलटेंट टीम से बातचीत करेंगे।

धनु राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है।आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ो की राय लेना आपके लिए बेहतर साबित होगी। बड़े बुजुर्गों के पैर छुए, धन-धान्य में बढ़ोतरी होगी। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के जो लोग नया बिजनेस करना चाहते हैं उनके लिए आज मार्केट एनालिसिस करना बेहतर होगा।

मकर राशिः आज अकारण शुरू हुई बाधाएं पूरी तरह से समाप्त हो जाएंगी। आज आपको ननिहाल पक्ष से कोई शुभ समाचार मिलेगा ,जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप विदेश में व्यापार करने की योजना बनायेंगे। आपकी सोशल मीडिया पर किसी से बात हो सकती है जिससे आपको भविष्य में बहुत फायदा होगा।

कुंभ राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपके रुकावट भरे कार्य पूरे होंगे। दांपत्य जीवन में आपसी तालमेल बढेगा। आज किसी कार्य में घरवाले आपकी तारीफ करेंगे। छात्रों की पढाई में रूचि बढ़ेगी। आपकी नौकरी में कुछ सकारात्मक परिवर्तन आएंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन पहले से ज्यादा फायदा दिलाने वाला रहेगा। किसी रिश्तेदार से चलती आ रही अन बन आज खत्म हो जायेंगी। आपको अधिक खाने-पीने से बचना चाहिए और सेहत का ध्यान रखना चाहिए। करोबार में बरकत होगी। आपकी आय के साधनों में वृद्धि होगी। आपके बिगड़े हुए कार्यों में सुधार होगा। सोची हुई योजनाओं में सफलता मिलने के संकेत है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

रोहित से तीसरे टेस्ट में पारी की शुरुआत कराना सही नहीं : डोड्डा गणेश

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज डोड्डा गणेश ने कहा है कि तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में कप्तान रोहित शर्मा से पारी की शुरुआत कराना सही नहीं होगा। भारतीय टीम के कप्तान रोहित दूसरे टेस्ट में मध्यक्रम पर उतरे थे और उसमें असफल रहे थे। ऐसे में कुछ दिग्गजों का ये भी मानना है कि रोहित अनुभवी सलामी बल्लेबाज हैं, इसलिए पारी उनसे ही शुरु करने को कहना चाहिये। वहीं डोड्डा का कहना है कि इस प्रकार की गलती नहीं करनी चाहिये क्योंकि रोहित फार्म में नहीं है जिससे उनका मनोबल भी घट हुआ है। ऐसे में उन्हें पारी शुरु करने को कहना जोखिम भरा होगा। इस पूर्व क्रिकेटर ने सोशल मीडिया पर कहा कि रोहित पहले से ही आत्मविश्वास और रन की कमी से जूझ रहे हैं और ऐसे में उनसे गाबा में पारी शुरु करने का आग्रह करना मूर्खतापूर्ण होगा। ये सीरीज उपमहाद्वीप में नहीं खेली जा रही है जहां वह असानी से कुछ रन बना सकें। वैसे भी ऑस्ट्रेलिया में रोहित का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है। उनका यहां औसत 30 ही है। एक सलामी बल्लेबाज के रूप में उनका औसत 37.8 है पर वह इस जगह पर ज्यादा बढ़ी पारियां

नहीं खेल पाए हैं। अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा की पिच भी अलग तरीके की चुनौतियां लेकर आएगी। ब्रिस्बेन पिच पर उछाल और गति पर पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क के नेतृत्व वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे ट्रैक पर भारतीय बल्लेबाजों से सटीक फुटवर्क की मांग होनी थी पर ऐसा हो नहीं पाया। रोहित की खराब फॉर्म ने चिन्ता को और बढ़ा दिया है। वह पहले टेस्ट से बाहर रहे थे जबकि दूसरे टेस्ट में केवल 3 और 6 का स्कोर ही बना पाए थे। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी वह असफल रहे थे।

शमी शामिल किये गये तो हर्षित राणा होंगे बाहर

मुम्बई। भारतीय टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में हार के बाद अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी को टीम में शामिल करने की मांग उठने लगी है। शमी आजकल घरेलू क्रिकेट खेलकर अपनी फिटनेस साबित करने का प्रयास कर रहे हैं। टीम प्रबंधन उन्हें पूरी तरह से फिट होने पर ही टीम में जगह देना चाहता है। कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि शमी को जल्दबाजी में शामिल कर वह कोई जोखिम नहीं लेना चाहेंगे। ऐसे में अगर पूरी तरह से फिट होने पर शमी को टीम में शामिल भी किया गया तो युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को बाहर बैठना पड़ सकता है। इसी दौरे पर डेब्यू करने वाले इस युवा ने अपनी गेंदबाजी से सबको प्रभावित किया है पर अभी उन्हें काफी सुधार की जरूरत है। भारत ने दूसरे टेस्ट के लिए आर अश्विन को टीम में शामिल किया था पर वह भी कुछ खास असर नहीं छोड़ पाए। ऐसे में अश्विन की जगह वाशिंगटन सुंदर को टीम में जगह

मिल सकती है। वैसे भी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप को देखते हुए भारतीय टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा बेहद अहम है। इस सीरीज में बड़ी जीत से टीम के फाइनल की उम्मीदें बनेंगी। इस कारण रोहित शर्मा ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को टीम में शामिल किए जाने की बात कही. उनका कहना था कि टीम के दरवाजे दिग्गज के लिए हमेशा खुले हैं। पहले टेस्ट में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 295 रनों से जीत दर्ज की थी पर दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 10 विकेट से हराकर बल्लेबाजी और गेंदबाजी की कमजोरी सामने ला दी। इस हार के बाद तीसरे टेस्ट से पहले भारत को कई और मामलों पर भी विचार करना होगा. जिसमें अनुभवी विराट कोहली के साथ ही रोहित का खराब फॉर्म भी है। इस दौरान तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर बढ़ते बोझा पर भी चर्चा होगी. तीसरा टेस्ट ब्रिस्बेन में खेला जाएगा जो तेज और उछाल भरी पिचों के लिए जाना जाता है। ऐसे में भारतीय टीम में बदलाव होने की पूरी संभावना है। ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर भारतीय टीम को अनुभवी शमी की कमी खली है। बुमराह के साथ दूसरी ओर से दवाब बनाने के लिए मोहम्मद सिराज और राणा पर्याप्त नहीं रहे। ऐसे में तीसरे टेस्ट के लिए टीम को एक अच्छे गेंदबाज की जरुरत है। भारत की संभावित इलेवन यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी या हर्षित राणा या आकाश दीप, मोहम्मद सिराज

तीसरे टेस्ट में हर्षित की जगह कृष्णा को शामिल करें : हरभजन

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के तीसरे टेस्ट में तेज गेंदबाज हर्षित राणा की जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा हैं को शामिल किया जाना चाहिये। हरभजन का कहना है कि हर्षित दूसरे टेस्ट में प्रभावित नहीं कर पाये हालांकि उन्होंने पहले टेस्ट में चार विकेट लिए थे। हरभजन के अनुसार एडिलेड ओवल के खिलाफ दूसरे मैच में हर्षित मार्नस लाबुशेन और ट्रैविस हेड पर अंकुश नहीं लगा पाये और उनकी गेंदों पर काफी रन बने। वहीं रोहित शर्मा इससे सहमत नहीं हैं उनका कहना है कि किसी खिलाड़ी का दो टेस्ट के आधार पर आंकलन नहीं किया जा सकता है। रोहित ने हर्षित का बचाव करते हुए कहा कि उसने कोई गलती नहीं की है। ऐसे में उसको कैसे बाहर कर दें। साथ ही कहा, सिर्फ दो मैचों के बाद खिलाड़ियों को बाहर करना सही नहीं है। वह सिस्टम में नए हैं पर पहले टेस्ट में उन्होंने अच्छी गेंदबाजी कर अपनी प्रतिभा दिखायी है। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने दूसरे मैच में उनके अनुभव की कमी का फायदा उठाकर रन बनाये और ऐसा किसी भी नये खिलाड़ी के साथ भी हो सकता है। मुझे

लगता है कि हमें अपने खिलाड़ियों का समर्थन करने की जरूरत है। दूसरी ओर हरभजन राणा को एक और मैच खिलाये जाने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैं पहले टेस्ट के लिए उनके पक्ष में नहीं था, लेकिन टीम प्रबंधन ने उन्हें आगे बढ़ाया। आपके पास बेंच पर बैठे कृष्णा हैं और उन्हें तीसरे टेस्ट में मौका मिलना चाहिए। वह अच्छे गेंदबाज हैं।

रिटेन नहीं होना चाहते थे ऋषभ : बदानी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के कोच हेमांग बदानी ने कहा है कि ऋषभ पंत अपनी बाजार कीमत पता करना चाहते थे, इसलिए वह टीम के साथ बरकरार नहीं रहे जबकि टीम की ओर से उन्हें अपने साथ बनाये रखने की पूरी कोशिश की गयी। बदानी के अनुसर दिल्ली कैपिटल्स ने अपने कप्तान ऋषभ को साथ रखने का प्रयास किया पर वह अधिक हासिल करना चाहते थे। इसलिए मेगा नीलामी में उतरे। इस क्रिकेटर पर आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी बोली 27 करोड़ की लखनऊ सुपरजायंट्स ने लगाई। वहीं इससे पहले ऋषभ ने कहा था कि रिटेन नहीं होने का पैसे से कोई लेना-देना नहीं है। ऋषभ ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा था कि उनके रीटेन नहीं होने के पीछे आर्थिक कारण नहीं है हालांकि यह इस क्रिकेटर ने तकरीबन डेढ़ महीने भी एक पोस्ट किया

था, इसमें उन्होंने कहा था कि वे देखना चाहते हैं कि उन पर कितनी बड़ी बोली लगेगी। बदानी ने कहा, 'यदि आप किसी खिलाड़ी को रीटेन करना चाहते हैं तो दोनों को ही इसके लिए तैयार होना होता है। हमने उनसे बात करने की बहुत कोशिश की थी। प्रबंधन ने उनसे बात करने की बहुत कोशिश पर वह तैयार नहीं हुए।' उन्होंने कहा था कि वे ऑक्शन में जाना चाहते हैं, जिससे बाजार में उनकी कीमता का पता चल सके। उनको लगता था कि रीटेन किए जाने की अधिकतम राशि (18 करोड़) से उन्हें ज्यादा रकम मिल सकती है जो सही साबित हुआ।'

आईपीएल में लगने वाला पैसा पाक के रक्षाबजट से अधिक

लाहौर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) निलामी में जहां खिलाड़ियों पर करोड़ों की बोली लगती है। वहीं पाकिस्तान की क्रिकेट लीग पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में उन खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है जिन्हें आईपीएल में जगह नहीं मिल पायी हो। आईपीएल 2024 में सभी 10 टीमों का कुल राजस्व पिछले 2023 का भी दोगुना हो गया है। आईपीएल 2024 का कुल राजस्व 6,797 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले सीजन 3,082 करोड़ से अधिक है। ये पाकिस्तान के रक्षा बजट की रकम से अधिक है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान का 2024 में रक्षा बजट 7.64 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 2,122 अरब पाकिस्तानी रुपये था। ये रकम 6497 करोड़ भारतीय रुपये होती है। इस प्रकार पाकिस्तान के रक्षा बजट से अधिक भारतीय क्रिकेट लीग की 10 टीमों का राजस्व ही है। विशेषज्ञों के अनुसार इससे लीग क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाज होता है। ये सब प्रायोजन करारों से संभव हुआ है। बीसीसीआई की साल 2022 में रिकॉर्ड 48,390 करोड़ की मीडिया राइट्स की डील हुई थी जो अब बढ़ गयी है। प्रसारण राजस्व के अलावा बोर्ड का कई प्रमुख ब्राडों से करार है। , इससे ही उसे 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की आय हुई। एक रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल का ब्रांड मूल्य 2023 की तुलना में 2024 में 13 फीसदी

बढ़ा है और इसके सामने पाक का रक्षा बजट काफी कम बढ़ा है। आईपीएल की चार फ्रेंचाइजी- चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), मुंबई इंडियंस (एमआई), रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी), और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने ही ब्रांड मूल्य में 100 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके अलावा पाक में क्रिकेट से होने वाली कमाई भी भारत के कारण ही है। आईसीसी की अधिकांश कमाई का बड़ा हिस्सा भारत से जाता है। पीसीबी को भी उससे ही राजस्व मिलता है। ऐसे में पीसीबी का ये कहना कि वह भी भारत में होने वाले आईसीसी मुकाबलों के लिए हाइब्रिड मॉडल चाहता है कोरी बयानबाजी के सिवा कुछ नहीं है।

व्यापार

शेयर बाजार की हल्की बढ़त के साथ शुरुआत

सेंसेक्स 81,575.96 अंक और निफ्टी 24,652.65 अंक पर

मुंबई। एशियाई बाजारों में तेजी के बीच भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को मामूली बढ़त के साथ खुले। पिछला सप्ताह अच्छा प्रदर्शन करने के बाद इस सप्ताह बाजार में थोड़ी मायूसी देखी जा रही है। कोई बड़े ट्रिगर पॉइंट नहीं होने की वजह से बाजार लाल और हरे निशान के बीच झूलता हुआ दिखाई दे रहा है। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स हल्की बढ़त के साथ 81,575.96 अंक पर खुला। इससे पिछले ट्रेडिंग सेशन में यह 81,508.46 पर बंद हुआ था। शुरुआती कारोबार सेंसेक्स 200 अंको के दायरे में कारोबार करता हुआ दिख रहा है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी मामूली तेजी के साथ 24,652.65 अंक पर खुला। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से लगभग आधे शेयर हरे निशान में कारोबार करते हुए दिखाई दिए। वहीं बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी50 सोमवार के ट्रेडिंग सेशन में गिरकर बंद हुए थे। सेंसेक्स 200.66 अंक की गिरावट के साथ 81,508.46 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 शुक्रवार को अपने पिछले बंद से 58.80 अंक की गिरावट के साथ 24,619 पर बंद हुआ। टाटा मोटर्स का शेयर शुरूआती कारोबार में सबसे ज्यादा चढ़ गया। इन्फोसिस, बजाज फिनसर्व, बजाज

फाइनेंस, एशियन पेंट्स, टाइटन के शेयर भी प्रमुख रूप से हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। वहीं दूसरी तरफ, महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर 1 फीसदी से ज्यादा गिर गया। इसके अलावा टेक महिंद्रा, अल्ट्रा सीमेंट, मारुति, भारती एयरटेल, अदाणी पोर्ट्स, एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज गिरावट में ट्रेड करते हुए दिखाई दिए। वहीं चीन के शेयरों में मंगलवार को उछाल आया। ब्याज दरों दरों में कटौती और कंसम्पशन को बढ़ावा देने के चीन के नए वादों से वस्तुओं और ऑस्ट्रेलियाई डॉलर को समर्थन मिला। ग्लोबल मार्केट्स में अमेरिकी के इन्फ्लेशन डेटा से पहले गिरावट देखने को मिल रही है। अमेरिकी शेयर बाजार सोमवार को गिरावट में बंद हुए।

शक्तिकांत दास ने कार्यकाल के अंतिम दिन सहयोगियों का जताया आभार

कहा, राजकोषीय-मौद्रिक समन्वय पिछले 6 वर्षों में अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर रहा

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कार्यकाल के अंतिम दिन मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अपने सहयोगियों के प्रति आभार जताया। उन्होंने केंद्रीय बैंक का नेतृत्व करने का अवसर देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि पिछले छह साल में राजकोषीय-मौद्रिक समन्वय अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर रहा। केंद्र सरकार ने गवर्नर शक्तिकांत दास की जगह संजय मल्होत्रा को अगला गवर्नर नियुक्त किया है। मल्होत्रा 11 दिसंबर को पदभार संभालेंगे। शक्तिकांत दास 12 दिसंबर, 2018 को आरबीआई के गवर्नर बनाए गए थे। बाद में तीन साल के लिए उनके कार्यकाल में विस्तार किया गया था। दास ने अपने कार्यकाल के अंतिम दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस करके

अपने अनुभवों को साझा करने के साथ सभी का धन्यवाद किया। उन्होंने केंद्रीय बैंक का नेतृत्व करने का अवसर देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पिछले छह साल में राजकोषीय-मौद्रिक समन्वय अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर रहा। उन्होंने सरकार, हितधारकों और अपने सहयोगियों को कार्यकाल के दौरान समर्थन और योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। शक्तिकांत दास ने अपने संबोधन में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को उनके निरंतर समर्थन और सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि राजकोषीय-मौद्रिक समन्वय अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर था और उन्होंने हमें पिछले छह वर्षों के दौरान कई चुनौतियों से निपटने में मदद की। वित्तीय क्षेत्र और अर्थव्यवस्था के सभी हितधारकों, विशेषज्ञों और अर्थशास्त्रियों, उद्योग निकायों और संघों, कृषि, सहकारी और सेवा क्षेत्रों के संगठनों को उनके इनपुट और नीतिगत सुझावों के लिए भी धन्यवाद दिया। इसके साथ ही आरबीआई की पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए दास ने कहा कि हमने मिलकर अभूतपूर्व वैश्विक झटकों के असाधारण कठिन दौर को सफलतापूर्वक पार किया है। उन्होंने कहा कि आरबीआई एक भरोसेमंद और विश्वसनीय संस्था के रूप में और भी आगे बढ़े, यही कामना है। आप सभी को मेरी शुभकामनाएं।

सोने के भाव बढ़े, चांदी भी हुई महंगी

सोना 77,600 रुपए, चांदी लगभग 95,300 रुपए

नई दिल्ली। सोने के वायदा कारोबार की शुरुआत मंगलवार के कारोबारी दिन तेज देखी जा रही है, जबकि चांदी के भाव भी सुस्त शुरुआत के बाद सुधर गए। सोने के वायदा भाव 77,600 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 95,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के भाव में सुस्त शुरुआत के बाद सुधार देखने को मिल रहा है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 165 रुपये की तेजी के साथ 77,551 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 110 रुपये की तेजी के साथ 77,596 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही।

एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 78 रुपये की गिरावट के साथ 95,119 रुपये पर खुला। इस समय यह 102 रुपये की तेजी के साथ 95,299 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। लेकिन बाद में इनके भाव में सुधार देखा जाने लगा। कॉमेक्स पर सोना 2,684.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,685.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 6.70 डॉलर की तेजी के साथ 2,692.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.46 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.61 डॉलर था। इस समय यह 0.01 डॉलर की तेजी के साथ 31.62 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रुपया आठ पैसे की बढ़त के साथ 84.78 डॉलर पर

रुपया सोमवार को सर्वकालिक निचले स्तर 84.86 पर बदं हुआ था

नई दिल्ली। विदेशी पूंजी प्रवाह में तेजी तथा घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरा और आठ पैसे मजबूत होकर 84.78 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.80 प्रति डॉलर पर खुला और सीमित दायरे में घूमते हुए 84.78 डॉलर प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की बढ़त दिखाता है। बाद में यह डॉलर के मुकाबले 84.82 पर कारोबार कर रहा था। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.86 पर बदं हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 106.15 पर रहा जो पिछले बंद भाव के बराबर है।

भारतीय रिजर्व बैंक के नए गवर्नर होंगे संजय मल्होत्रा

शक्तिकांत दास की जगह संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार संजय मल्होत्रा को रिजर्व बैंक का नया गवर्नर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति वर्तमान गवर्नर शक्तिकांत दास के कार्यकाल में विस्तार नहीं किए जाने के बाद की गई है। संजय मल्होत्रा ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के तहत राजस्थान कैडर से अपनी सेवा शुरू की थी। वह अब रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में कार्यभार संभालेंगे। उन्होंने उर्जित पटेल के इस्तीफे के बाद केंद्रीय बैंक की जिम्मेदारियां संभाली थी। संजय मल्होत्रा का कार्यकाल अगले तीन साल के लिए होगा। मल्होत्रा के पास वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में अत्यधिक अनुभव है। उन्होंने भारत सरकार के वित्त मंत्रालय में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव के तौर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां

निभाई हैं। इसके अलावा उन्हें केंद्र और राज्य सरकारों में टैक्स और वित्तीय मामलों का भी गहरा अनुभव है। शक्तिकांत दास का कार्यकाल भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में 2018 में शुरू हुआ था और उनके कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णय लिए गए। हालांकि, सरकार ने उनके कार्यकाल में कोई विस्तार करने का निर्णय नहीं लिया है। बताया जा रहा है कि संजय मल्होत्रा की नियुक्ति का फैसला वित्तीय सेवा क्षेत्र में उनके अनुभव को देखते हुए लिया गया है।

पुष्पा 2 ने 2 दिनों में कमाए 400 करोड़, इंडिया में किया 250 करोड़ का आंकड़ा पार

पहले वीकेंड में 500 करोड़ पक्के

पुष्पा 2: द रूल 2 बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 2 : साउथ फिल्मों के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने अपनी एक्शन ड्रामा फिल्म पुष्पा 2 की कमाई से बॉक्स ऑफिस पर सफलता का झंडा पहले ही दिन गाड़ दिया. तकरीबन 350 करोड़ रुपये के बजट में बनी पुष्पा 2 ने ओपनिंग डे के कलेक्शन से ही अपना 90 फीसदी मेकिंग बजट कवर कर लिया है. अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की जोड़ी दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रही है. पुष्पा 2 ने पहले ही दिन वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 294 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है. वहीं, फिल्म पुष्पा 2 ने पहले दिन भारत में हिंदी पट्टी में 72 करोड़ रुपये का कारोबार किया है. वहीं, फिल्म ने दूसरे दिन कितना कलेक्शन किया और कुल कलेक्श कितना हुआ आइए जानते हैं. बता दें, पुष्पा 2 ने इंडिया में सभी भाषा में 174.9 करोड़ रुपये से खाता खोला है. वहीं, दूसरे दिन भारत में पुष्पा ने 90.10 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है. सैकनिल्क के अनुसार, वहीं, भारत में पुष्पा का नेट कलेक्शन दो दिनों में 250 करोड़ रुपये से पार जा चुका है. पुष्पा 2 का घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल नेट कलेक्शन 265 करोड़ रुपये हो गया है. वहीं, पुष्पा 2 ने वर्ल्डवाइड दो दिनों में 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. बता दें, दूसरे दिन की कमाई से पुष्पा 2 एक शाहरुख खान की फिल्म जवान समेत सभी फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. जवान ने दूसरे दिन भारत में 70 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए थे. पुष्पा 2 ने राम चरण और जूनियर एनटीआर स्टारर मास एक्शन फिल्म आरआरआर की ओपनिंग डे कलेक्शन 225 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. पुष्पा वर्ल्डवाइड, भारत और साउथ सिनेमा की बिगेस्ट ओपनर बन गई है और साथ ही अल्लू अर्जुन के करियर की भी बिगेस्ट ओपनर बन गई है. बता दें, पुष्पा 2 ने इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की सभी बिगेस्ट ओपनिंग फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ डाला है. बता दें, सुकुमार के निर्देशन में बनी फिल्म पुष्पा बीती 5 दिसंबर को रिलीज हुई है. फिल्म पुष्पा आज अपनी रिलीज के तीसरे दिन में और वीकेंड में पुष्पा 500 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन करने जा रही है.

बड़े पर्दे के बाद अब नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई आलिया भट्ट की जिगरा

'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की भारी सफलता के बाद आलिया भट्ट ने 'जिगरा के साथ बड़े पर्दे पर कम बैक किया था. ये फिल्म साल 2024 की मोस्ट अवेटेज फिल्म थी और इसका रिलीज से पहले काफी बज बना हुआ था. हालांकि वासन बाला द्वारा निर्देशित फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ठंडी साबित हुई और इसकी परफॉर्मेंस काफी निराशाजनक रही. वहीं अब ये फिल्म ओटीटी पर रिलीज हो रही है. चलिए जानते हैं आलिया के जिगरा को कब और किस प्लेटफॉर्म पर देखा जा सकता है. 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की भारी सफलता के बाद आलिया भट्ट ने 'जिगरा के साथ बड़े पर्दे पर कम बैक किया था. ये फिल्म साल 2024 की मोस्ट अवेटेज फिल्म थी और इसका रिलीज से पहले काफी बज बना हुआ था. हालांकि वासन बाला द्वारा निर्देशित फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ठंडी साबित हुई और इसकी परफॉर्मेंस काफी निराशाजनक रही. वहीं अब ये फिल्म ओटीटी पर रिलीज हो रही है. चलिए जानते हैं आलिया के जिगरा को कब और किस प्लेटफॉर्म पर देखा जा सकता है. फिल्म में आलिया भट्ट और द आर्चीज स्टार वेदांग रैना ने भाई-बहन का किरदार निभाया है. भट्ट ने सत्या के किरदार में है जो अपने भाई अंकुर (वेदांग रैना) को विदेशी जेल में मौत की सजा से बचाने के लिए एक खतरनाक यात्रा पर निकलती है. सत्या की कहानी इस बात को हाईलाइट करती है कि परिवार के लिए कोई भी व्यक्ति किसी भी हद तक जा सकता है. बता दें कि टी सीरीज के मालिक भूषण कुमार की पत्नी और एक्ट्रेस दिव्या कुमार खोसला ने फिल्म पर कहानी चुराने का आरोप लगाया था. दरअसल दिव्या की फिल्म सावी की कहानी भी 'जिगरा से मिलती जुलती है.इसके चलते फिल्म के कलेक्शन पर बहुत बुरा असर पड़ा था.

फिल्म तान्हाजी के सीक्वल पर लगी मुहर, अजय देवगन से भिडने को तैयार ऋतिक रोशन

साल 2020 में आई अजय देवगन और काजोल की फिल्म तान्हाजी: द अनसंग वॉरियर को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। ओम राउत इसके निर्देशन थे।तकरीबन 120 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 367.65 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था।अब लगभग 4 साल बाद तान्हाजी के सीक्वल पर मुहर लग गई है। दरअसल, राउत और अजय ने तान्हाजी 2 के लिए एक बार फिर से हाथ मिलाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अजय और राउत तान्हाजी की दूसरी किस्त के लिए साथ आ गए हैं। दोनों के बीच अब तक कई मुलाकात हो चुकी हैं।इस फिल्म में एक गुमनाम योद्धा की कहानी दिखाई जाएगी। कहा जा रहा है कि फिल्म की कहानी पर काम शुरू हो गया है।अजय और राउत भारत के इतिहास के एक ऐसे दिग्गज की जिंदगी पर फिल्म बनाना चाहते थे, जिन्हें समय के साथ भुला दिया गया। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि तान्हाजी के सीक्वल में अजय के साथ मुख्य भूमिका निभाने के लिए ऋतिक रोशन से संपर्क किया है।

अर्जुन उस्तरा में शाहिद कपूर संग बनी तृप्ति डिमरी की जोड़ी, भाभी 2 संग रोमांस करेंगे कबीर सिंह

तृप्ति डिमरी पहली बार शाहिद कपूर के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने के लिए तैयार हैं. एनिमल एक्ट्रेस विशाल भारद्वाज की आगामी फिल्म अर्जुन उस्तरा में शाहिद कपूर के साथ नजर आएंगी. वह फिल्म में लीड एक्ट्रेस की भूमिका निभाएंगी. तृप्ति डिमरी और शाहिद कपूर की अपकमिंग फिल्म अर्जुन उस्तरा के बारे में कुछ खास जानकारी नहीं मिली है. लेकिन, एनिमल की भाभी-2 और कबीर सिंह को एक साथ देखना दिलचस्प होगा, क्योंकि दोनों पहली बार किसी प्रोजेक्ट के लिए एक साथ आ रहे हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम पहले से ही चल रहा है. बहुप्रतीक्षित फिल्म 6 जनवरी 2025 को फ्लोर पर आने वाली है. वहीं, शूटिंग शेड्यूल के प्लान के साथ, मेकर्स जल्द ही इस प्रोजेक्ट को पूरा करना चाहते है, क्योंकि वे 2025 में ही अर्जुन उस्तरा को सिनेमाघरों में रिलीज करने का प्लान कर रहे हैं. तृप्ति डिमरी को हाल ही में रिलीज हुई कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 में देखा गया. फिल्म की शानदार सफलता के बाद वह अपनी आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म धड़क 2 पर काम कर रही हैं. फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, जिसमें उनके साथ

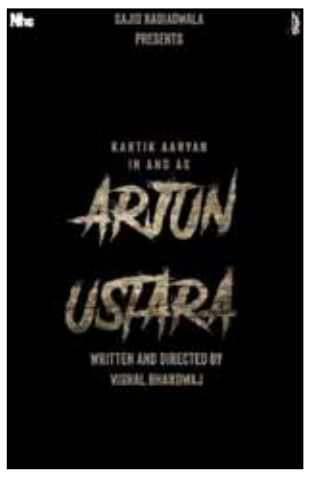

सिद्धांत चतुर्वेदी नजर आएंगे. धर्मा प्रोडक्शंस की निर्मित यह फिल्म 2018 की हिट धड़क की

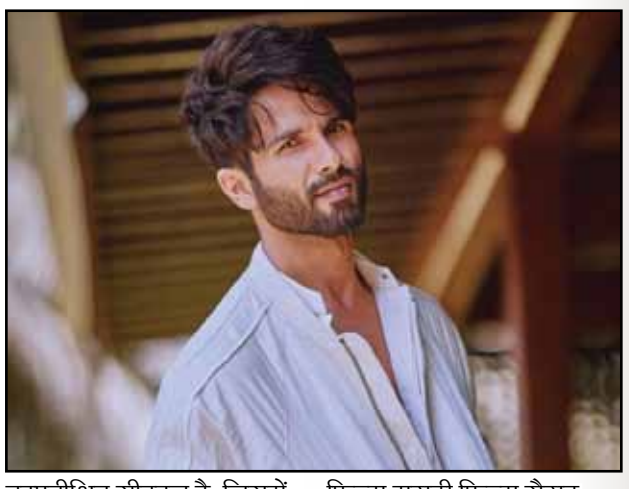

बहुप्रतीक्षित सीक्वल है, जिसमें जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर ने डेब्यू किया था. ओरिजिनल फिल्म मराठी फिल्म सैराट की रीमेक थी. इस साल मई में करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए धड़क के सीक्वल की पुष्टि की थी. उन्होंने पोस्ट के जरिए धड़क 2 की रिलीज के बारे में बताया था. शाजिया इकबाल की निर्देशित, यह फिल्म पहले 22 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में आने वाली थी. हालांकि, अब इसे अगले साल के लिए पोस्टपोन कर दिया गया है.

अबू धाबी ग्रैंड प्रिक्स फिनाले रेस 2024 में भाग लेंगी बॉलीवुड की स्त्री श्रद्धा कपूर

बॉलीवुड स्टार श्रद्धा कपूर ना सिर्फ एक्टिंग में बल्कि स्पोर्ट्स में भी दिलचस्पी रखती हैं. हाल ही में खबर आई है कि ये स्त्री अबू धाबी ग्रैंड प्रिक्स फाइनल रेस 2024 में भाग लेने वाली है. इसके के लिए वह पूरी तरह से तैयार हैं.<अबू धाबी ग्रैंड प्रिक्स वर्तमान में चल रहा है, जिसकी आखिरी रेस 8 दिसंबर को निर्धारित किया गया है. अबू धाबी ग्रैंड प्रिक्स के पिछले सीजन में मैक्स वेरस्टैपेन ने जीत हासिल की थी, उसके बाद दूसरे स्थान पर चार्ल्स लेक्लर और तीसरे स्थान पर जॉर्ज रसेल थे. यह इवेंट गेम कैलेंडर का प्रमुख बिंदु है. यह दुनिया भर से मशहूर हस्तियों और फैंस को आकर्षित करने के लिए जाना जाता है. श्रद्धा पिछले प्रतिभागियों की लाइनअप में शामिल हो गई हैं, जिसमें प्रियंका चोपड़ा जोनस और नाओमी कैंपबेल और ऑरलैंडो ब्लूम जैसे ग्लोबल स्टार का नाम शामिल हैं. 2024 श्रद्धा के लिए एक एक शानदार साल रहा है, क्योंकि स्त्री 2 शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान को पछाड़ कर हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी हिट बनकर उभरी. ग्रैंड प्रिक्स में श्रद्धा की मौजूदगी इस इवेंट में एक अनूठी भारतीय झलक लाती है, जो खेल और मनोरंजन के दिग्गजों की मेजबानी के लिए फेमस है. श्रद्धा के लिए यह उपस्थिति एक और मील का पत्थर है, जिसने बॉलीवुड के पसंदीदा स्टार के रूप में उनकी स्थिति को और मजबूत किया है. वहीं, इंस्टाग्राम पर 94.2 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स के साथ, वह इंडियन एंटरटेनेमेट इंडस्ट्री की सबसे अधिक पसंद की जाने वाली शख्सियतों में से एक बन गई हैं.

Former Union Minister Rudy inaugurated Jio BP Mobility Station on GT Road in Katoghan Khaga

Fatehpur: Former Union Minister and BJP MP from Saran Lok Sabha constituency of Bihar and Chairman of Parliament's Standing Committee on Water Resources Rajiv Pratap Rudy today inaugurated Jio BP Mobility Station on GT Road in Katoghan Khaga of Fatehpur district. Here retail sale of diesel along with petrol started at fixed price. On this occasion, former Union Minister and Chairman of Parliament's Standing Committee on Water Resources Rudy said that the country is moving towards continuous development in terms of industry under the leadership of the Prime Minister. This is the reason that such industries have an important contribution in becoming a 5 trillion economy with the cooperation of industrial group. Fuel outlet business holds an important place in growth. Transport business is not possible without fuel. Reliance Vice President Mr. Rajesh Kumar was also present at the inauguration ceremony of the fuel station operated by Urja Enterprises. Former Fatehpur MP Dr Ashok Patel, regional MLA Mrs Krishna Paswan, former MLA Karan Singh Patel, Block Pramukh Vikas Paswan, National President of Apna Dal Kamerawadi Mrs Krishna Patel, District BJP Unit Vice President Pankaj Tripathi, etc. were present at the inauguration ceremony at the local level. On this occasion, all the guests who attended the ceremony were welcomed by Anil Kumar Verma, Managing Director of Urja Enterprises. This petrol pump has been completely modernized to meet the changing expectations of the customers. Important technology has been used for the purpose of quality service and reducing refueling time. Reliance Senior Vice President Rajesh Kumar said that this initiative reflects our unwavering commitment to enhance public convenience and ensure excellent service delivery. The modern petrol pump will provide enhanced experience to the customers including better infrastructure and associated services.

Supreme Court took cognizance of the controversial statement of Allahabad High Court judge Shekhar Yadav

The Supreme Court has taken cognizance of the controversial statement of Allahabad High Court judge Justice Shekhar Kumar Yadav. The Supreme Court said that the matter is under consideration and information has been sought from the High Court. Earlier, the Campaign for Judicial Accountability and Reforms (CJAR) had written a letter to Chief Justice (CJI) Sanjeev Khanna demanding an investigation. Let us tell you that Justice Shekhar gave this controversial statement at the Vishwa Hindu Parishad program in Prayagraj. Justice Shekhar had said, I have no hesitation in saying that this country will run according to the wishes of the majority of people living in India. This is the law. You cannot even say that being a High Court judge you are saying this. The law runs only on the majority. Look at the family, look at the society as well. Where there are more people, whatever they say is believed. Justice Shekhar had said, those who are fanatics, the word is wrong, but there is no problem in saying it, because they are dangerous for the country. They are the people who mislead the public.

These are the kind of people who want the country to not progress. There is a need to be cautious of them. The country is one and there is one constitution, then why is there no law? There is no right to disrespect the great men of the country. Halala and triple talaq will not work in this country. CJAR has written a letter to the CJI demanding an in-house investigation. CJAR wrote, Justice Shekhar's use of derogatory and unacceptable words against the Muslim community hurts the dignity of the post of the High Court.

This conduct also violates the Preamble along with Articles 12, 21, 25 and 26 of the Constitution. CJAR had demanded the removal of Justice Shekhar from judicial work with immediate effect.

On the statement, Trinamool Congress (TMC) MP Mahua Moitra wrote, "Current High Court judge attended VHP's program, said- the country will run according to Hindus and we are celebrating 75 years of our Constitution! Supreme Court, Hon'ble CJI- did anyone take suo motu cognizance?" MP Chandrashekhar Azad wrote, "Justice Shekhar Kumar Yadav's statement is a serious violation of judicial dignity, secular values of the Constitution and responsibility to maintain peace in the society." Justice Shekhar obtained a law degree from Allahabad University in 1988 and started practicing law in 1990. According to the report, he has worked as Additional Government Advocate and Permanent Advocate of the State Government in the High Court. In December 2019, he took oath as an additional judge and became a permanent judge of the High Court on March 26, 2021. In 2021, he talked about declaring the cow as the national animal.

Decision reserved on taking cognizance of criminal defamation case against MP Bansuri Swaraj

New Delhi: Delhi's Rouse Avenue Court has reserved its decision on taking cognizance of the criminal defamation case filed by former Aam Aadmi Party government minister Satyendra Jain against BJP MP Bansuri Swaraj. Additional Chief Judicial Magistrate Neha Mittal heard the arguments, after which she has ordered to pronounce the decision on the matter of taking cognizance on December 16. In fact, Satyendra Jain has filed a petition alleging that Bansuri Swaraj made derogatory remarks against him during an interview on a TV channel on October 5, 2023. This interview was watched by millions of people. He has claimed that these comments were made by Swaraj to defame him and gain undue political advantage. Jain has alleged that Bansuri Swaraj falsely claimed that Rs 3 crore and 1.8 kg gold and 133 gold coins were recovered from his house. Taking the defamatory campaign forward, Satyendra Jain further defamed him by calling him corrupt and a fraud.

Several false, malicious and defamatory allegations have been made against me, Jain alleged. The petition also states that the accused has played with the reputation of the complainant and the defamatory campaign has damaged the political standing of the complainant as a husband, father, brother, friend and a common man of the society. Satyendra Jain has said in the petition that this statement of Bansuri Swaraj was given to defame him.

Union Mutual Fund's new fund offer, Union Active Momentum Fund will close on December 12

New Delhi:. Union Mutual Fund's one of its kind NFO Union Active Momentum Fund is open for investment from November 28, 2024 to December 12, 2024. Union Mutual Fund has entered factor based investing through this New Fund Offer (NFO) Union Active Momentum Fund. It is an open ended equity scheme that will invest in stocks showing momentum.

Union Active Momentum Fund adopts a proprietary quantitative model which has been tested for the last 15 years. This model is based on the values of past price performance, volatility in returns, relative strength and liquidity. It targets key parameters of stock market returns such as value, growth, low volatility and momentum. This fund gives investors an opportunity to invest in stocks that show momentum characteristics under a rule based policy. Investment in this scheme will be done under a rule-based system that keeps emotional bias at bay, flexibility in execution, disciplined entry and exit points. According to CEO Fund Manager, Gaurav Chopra, investor sentiment is very important in determining the value of a stock. Momentum investing is a rule-based system that aims to perform better in volatility, such as buying a rising trend and selling when a loss appears. Head Inquiries, Sanjay Bembalkar said momentum increases and decreases according to the investors' information, which causes fluctuations in the stock market and maintains momentum. Nair, CEO Union Mutual Fund said our promoter is Vertex Investment Solutions, a 100% owned company of Daiichi Holdings, which shows interest in rule-based investing. Union Active Momentum Fund is our first foray into this factor-based world and we believe that the share of momentum-based investing will increase in the Indian stock market.

BEST bus crushes pedestrians and several vehicles on the road in Mumbai, 7 dead

Mumbai: A major accident has happened in Kurla, Mumbai. The brakes of the BEST electric bus failed. After this, the uncontrolled bus hit pedestrians and vehicles within a radius of about 200 meters. The accident was so horrific that 7 people who came under the bus died. 48 people are injured in the accident. 4 policemen were also injured, whose condition is normal. Some of the 7 people who died in this accident have been identified. Police said that the deceased have been identified as Shivam Kashyap (18), Kaneez Fatima (55), Afeel Shah (19) and Anam Sheikh (20). The identities of the rest of the deceased are yet to be revealed. Last night, bus driver Sanjay More was taken to JJ Hospital in Mumbai for medical checkup.

During interrogation at the police station, IPS officer and L&O of Mumbai Police Satyanarayan Chaudhary himself was present at the police station. Police said that this accident happened outside the White House building near BMC's L Ward office at around 9:30 pm. About 26 people who were victims of the road accident are injured. The condition of some remains critical. The injured are being treated at hospitals in Sion and Kurla. The condition of 4 of the injured is said to be critical. CCTV footage of the incident has also surfaced, in which the uncontrolled bus is seen crushing the car. Many vehicles were hit by the uncontrolled BEST bus.

This accident happened in Ambedkar Nagar on Kurla West Railway Station Road when BEST's route number 332 bus was going from Kurla station to Andheri. Police have taken the driver of the accident bus into custody. Now the investigation of the maintenance of the bus is going on. The hair-raising picture of the BEST bus accident in Kurla, Mumbai tells how horrific the accident was.

It is being told that the driver lost control of the bus after the brakes failed. After this, the uncontrolled BEST bus hit more than a dozen vehicles. The bus blew away whatever came in its way within a radius of 200 meters. Scooty, auto, car and everything got crushed in the accident. After crushing many vehicles, the bus stopped after hitting the RCC column of a building. The impact of the bus was so strong that the boundary wall of the building also collapsed. Some people got injured and fell on the road after being hit by the BEST bus. Some remained lying injured in the vehicles.

TODAY'S BRIEF

K.A. Paul strongly criticized R. Krishnaiah's joining BJP

New Delhi: In a press conference held at Andhra Bhavan on Tuesday, Praja Shanti Party leader Dr. K.A. Paul strongly criticized the decision of former MP and BC leader R. Krishnaiah to join the BJP and termed it a betrayal of the backward class (BC) community. During this, he spoke about the political marginalization of the BC community in Telugu states and the need for political reform. Dr. Paul said that in the last 78 years, the BC community in Andhra Pradesh and Telangana, which accounts for 60% of the population, has been excluded from major leadership roles. He stressed the need for BCs, SCs, STs and minorities to unite and launch a movement against casteism and family politics, in line with the principle of equality enshrined in Article 14 of the Constitution of Dr. B.R. Ambedkar. Speaking about the need for a grassroots movement, Dr Paul called upon Telangana's 12,000 Sarpanches to participate in the upcoming elections under a united banner of BCs, SCs, STs and minorities. "This is not just an election—it is a movement to reclaim our voice and fulfill Ambedkar's dream of equality and justice," he said. "R. Krishnaiah's move to the BJP is a clear betrayal of the BC community. Such leaders have turned our struggle for equality into a game of personal ambition. Enough is enough! We must unite, rise up and take back what is ours. Together we can put an end to this casteism and family politics and build a future that is in line with the true diversity of our people." Dr Paul concluded his statement by appealing to voters to reject opportunistic leaders and support candidates who prioritize the well-being of marginalized communities. "Now is the time for change. Let us unite and create a new political reality where leadership truly represents the people," he said. Dr. K.A. Paul is a global peace ambassador and founder of Praja Shanti Party.

Priyanka Chaturvedi wrote a letter to Amit Shah, demanding to give Union Territory status to Belgaum

Mumbai: Shiv Sena (UBT) leader and MP Priyanka Chaturvedi has written a letter to Union Minister Amit Shah, in which she has demanded to grant Union Territory status to Belgaum (Belgaum). Priyanka Chaturvedi said in the letter that the border dispute has been going on for a long time over several towns and villages including Belagavi on the Maharashtra-Karnataka border. The tension has increased with the start of the winter session of the Karnataka Legislative Assembly, leading to the detention of workers and leaders of the Maharashtra Ekta Samiti (MES) in Belagavi. Although it was initially announced that the MES's Maha Melava rally and other peaceful protests would be allowed, the police have now made elaborate arrangements to stop the rally, further increasing tension in the city. He further said in the letter that in 2022, the Centre directed both state governments not to take any action until the Supreme Court's decision. Despite this, the Karnataka assembly passed a resolution to stop giving any land to Maharashtra. In response, the Maharashtra assembly passed a counter-resolution to legally move forward to include Marathi-speaking villages in its state, highlighting the lack of consensus on this controversial issue. Pending the Supreme Court hearing on the matter, there have been repeated requests from the MES to expedite the process. The Shiv Sena (UBT) leader said that given the lack of consensus between the two state governments and the possibility of further unrest, I urge you (Amit Shah) to consider granting Union Territory status to Belagavi. This will help resolve the border dispute in the city and ensure justice to citizens, as well as accommodate all linguistic communities through central governance. Let us tell you that the Belgaum or Belgaum dispute is a long-standing border dispute between Maharashtra and Karnataka. This dispute is mainly about Belgaum district. Currently this district is a part of Karnataka. In 1956, when the states in India were reorganized on linguistic basis, Belgaum district was allotted to Karnataka. Maharashtra says that the number of Marathi-speaking people in this district is very high, so this area should be part of Maharashtra geographically and culturally. While Karnataka argues that Belgaum has been a part of Karnataka for centuries. The culture here is deeply connected with Kannada culture.

ISRO and Indian Navy tested recovery operation for Gaganyaan mission

New Delhi: The Indian Space Research Organisation (ISRO) and the Navy have tested the recovery operation for the Gaganyaan mission. A welldeck located off the coast of Visakhapatnam was used in this test. The welldeck is a type of floating platform that can be filled with water and protected by bulwarks. Its purpose is to recover the crew module after splashdown in the sea. The mockup crew-module was used to fully test the recovery process. In this test, a recovery buoy was attached to the crew module, so that the module could be pulled into the welldeck ship. The crew module was then placed on a fixture within the welldeck. The main objective of the recovery operation is to quickly pull the crew module back into the ship after it lands in the sea. This test will help in increasing the safety and effectiveness of the Gaganyaan mission, thereby increasing the chances of success of such missions in the future. Ground fixtures and standard operating procedures (SOPs) for the Gaganyaan mission were tested. The Indian Navy is conducting these tests to understand the best recovery strategies. This test series is to perfect the SOPs for nominal and off-nominal conditions. The first Gaganyaan flight will take place in the first quarter of 2025, which will be without a crew. This will be followed by 2 more unmanned flights, which will also include the Vyommitra robot. The aim of Gaganyaan mission is to send a team of Indian astronauts to a low orbit 400 km above the Earth and bring them back safely after 3 days. 4 pilots of the Indian Air Force (Prashant Nair, Angad Pratap, Ajit Krishnan and Shubhanshu Shukla) have been selected for this mission.